मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा-पंजाब एवं नई दिल्ली से प्रकाशित

www.ajaybharat.com

!! ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्!!!

द्वितीय सोमवार आज

दैनिक
अजय भारत

भिण्ड
सोमवार, 10 अगस्त 2026
वर्षः 12, अंकः 315
पेज:08, मूल्य ₹ 2.00 रूपये

हर घर तिरंगा अभियान-तिरंगा यात्रा का शुभारंभ

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान - तिरंगा यात्रा का तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में तिरंगा यात्रा आरंभ करने की विधिवत घोषणा की तथा तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे, पहले मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा लगाया और वे 'हर घर तिरंगा अभियान' के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री निवास से तिरंगा लेकर रवाना हुए। मुख्यमंत्री निवास का समस्त स्टॉफ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समत्व भवन तक पैदल पहुंचा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवास से मोटरसाइकिल पर तात्या टोपे स्टेडियम के लिए रवाना हुए। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री कैलाश सारंग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद भोपाल आलोक शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। ■ *अजयभारत*

घर पर तिरंगा फहराकर बुलेट से निकले सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रोटोकाल छोड़ बच्चों के बीच पहुंचे सीएम

भोपाल। अजयभारत न्यूज

राजधानी में रविवार सुबह सड़कों पर देशभक्ति का जबरदस्त नजारा देखने को मिला। जब बारिश की बूंदों के बीच हाथ में तिरंगा और बुलेट पर सवार मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव तिरंगा यात्रा के लिए निकले तो माहौल पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर हो गया। खास बात यह रही कि रास्ते में बच्चों को देखकर मुख्यमंत्री ने अपना प्रोटोकाल पीछे छोड़ दिया और उनसे संवाद किया। इसके साथ ही सीएम ने बच्चों को तिरंगा भेंट करते हुए उनके साथ पैदल चल दिए।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सबसे पहले अपने भोपाल स्थित निवास पर तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद वे सुरक्षा जवानों और कर्मचारियों के साथ तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री खुद बुलेट पर सवार हुए और हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा की शुरुआत की। कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई, लेकिन यात्रा का जोश कम नहीं हुआ।

न्यूज कॉर्नर

सावन का दूसरा सोमवार आज

खंडवा। सावन माह के दूसरे सोमवार यानी दस अगस्त को भगवान ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग की पवित्र नगरी ओंकारेश्वर में दो बड़े धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का शाम छह बजे महाशृंगार किया जाएगा। गर्भगृह को सुगंधित और विभिन्न प्रकार के फूलों से सुसज्जित किया जाएगा। महाशृंगार के लिए उज्जैन से पंडित पहुंचेंगे। वहीं, भगवान ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग का नर्मदा के महानिर्वाणी घाट पर शाम छह बजे दूध, दही, शहद, मिश्री, मक्खन, भांग और भस्म से महाभिषेक किया जाएगा। दोनों भगवानों की सवारियां नगर भ्रमण भी करेंगी। हजारों भोलेनाथ के भक्त दोनों सवारियों के साथ आगे-आगे 'बम-बम भोले', 'हर-हर महादेव' और 'जय शिव शंकर' के जयकारों के साथ भगवान को नगर भ्रमण करवाएंगे।

ओंकारेश्वर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

दो सवारियां करेंगी नगर भ्रमण; होगा महाभिषेक

जो खेलेगा, वो खिलेगा

पीएम मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स के चैंपियंस का किया स्वागत

सोशल मीडिया पर शेयर की मुलाकात की खास झलक

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगा लहराकर लौटे भारतीय दल का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने देश के पदक विजेताओं के साथ लंबी बातचीत की, उनके अनुभवों को सुना और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूरे देश की तरफ से बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने एक वीडियो भी सेशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एथलीटों के साथ हुई इस खास मुलाकात की एक झलक अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके भी साझा की। इस वीडियो में वह गोल्ड मेडल विजेता मुक्केबाज साक्षी चौधरी समेत कई अन्य चैंपियंस के साथ खुशनुमा माहौल में संवाद करते दिख रहे हैं। वीडियो में साक्षी चौधरी ने पीएम मोदी की सादगी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जी से मिलकर हमें बेहद खुशी हुई, वह बहुत ही विनम्र हैं।'

'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का दिया मूलमंत्र

बातचीत के दौरान जब खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री से कुछ कहने का आग्रह किया, तो पीएम मोदी ने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला अपना प्रसिद्ध संदेश दोहराया, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा! Always CheeryBharat!' इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

39 पदकों के साथ भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं।

धार में भीषण सड़क हादसा

कार और कंटेनर ट्रक की जोरदार टक्कर में 6 लोगों की मौत

धार। अजयभारत न्यूज

धार जिले से एक भीषण सड़क हादसे की खबर आई, जिसमें कई बेकसूरों की जान चल गई। दरअसल, खबर कुछ ऐसी है कि एक व्यस्त हाईवे पर रविवार, 9 अगस्त 2026 को कंटेनर ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार छह लोगों की मौत हो गई। यह हादसा धार जिले में बड़नगर-उज्जैन रोड पर पंचक वासा नाम की जगह के पास हुआ। कार में सवार सभी छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, क्योंकि टक्कर बहुत जोरदार थी। मध्य प्रदेश में रोड एक्सीडेंट के मामले बढ़ाते ही जा रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई

एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस पारुल बेलापुरकर ने बताया कि कंटेनर ट्रक के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। एक औपचारिक मामला दर्ज किया गया है और दुर्घटना कैसे हुई। यह समझने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

क्या हुआ और कहां हुआ

पुलिस ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ। कार को उज्जैन की तरफ से आ रहे एक कंटेनर ट्रक ने टक्कर मारी। यह जगह बड़नगर शहर से लगभग चार किलोमीटर दूर है और बड़नगर पुलिस स्टेशन के इलाके में आती है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छह लोगों को बचाया नहीं जा सका। स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, इलाके को सुरक्षित किया और पुलिस ने जांच का काम शुरू कर दिया।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मरने वाले सभी लोग गुजरात के रहने वाले थे। पुलिस ने पुष्टि की कि हादसे के समय वे कार में एक साथ यात्रा कर रहे थे। अब तक छह में से चार लोगों की पहचान हो चुकी है। बाकी दो लोगों की पहचान अभी की जा रही है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनके नाम और उम्र के बारे में और जानकारी दी जाएगी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जो ऐसे मामलों में एक आम प्रक्रिया है। इससे मौत की वजह का पता लगाने और कानूनी प्रक्रिया में मदद मिलती है।

सर्जरी के दौरान सोनू निगम गाने लगे गाना, डॉक्टर करते रहे इलाज

मुंबई। (ए.) सोनू निगम ने एक बार फिर दिखाया है कि संगीत उनके जीवन में कितनी गहराई से रचा-बसा है और उनका एक वायरल वीडियो इस बात का सबूत है। मशहूर सिंगर ने हाल ही में अस्पताल से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टर और मेडिकल टीम के लिए मोहम्मद रफी का एक क्लासिक गाना गाया। मुश्किल हालात में भी सोनू निगम ने हिम्मत नहीं हारी। दर्द के बावजूद उन्होंने गाना गाया और इस अनुभव को जॉय ऑफ म्यूजिक बताया।

बड़े-बड़े पत्थर मारे

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला

कोलकाता। एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर पत्थरों से हमला किया गया। पुलिस के सामने भीड़ ने गाड़ी रोक ली। कार पर मिट्टी और कीचड़ लगा दिया। कुछ लोगों ने जूते-पत्थर भी फेंके। अगर खिड़की खुली होती तो सिर चकनाचूर हो जाता, मौत भी हो सकती थी।

दरअसल ममता उत्तर 24 परगना जिले में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं थीं। रास्ते में बिजपुर के पास स्थानीय भीड़ ने उनका काफिला रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने चोर-चोर के नारे लगाए। ममता बनर्जी ने कहा, मेरी कार पर हमला एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं यहां आऊंगी, इसके बावजूद पुलिस ने कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए।

हाईलाइट्स न्यूज

HIGHLIGHTS NEWS

नेतन्याहू

ठुकराया ट्रंप का पीस प्लान

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति की योजना को खारिज कर दिया है।इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा को लेकर 15 सूत्रीय बोर्ड ऑफ पीस योजना का प्रस्ताव रखा था। इजरायल की मीडिया के मुताबिक, 'नेतन्याहू ने साफ कहा है कि हमास के पूरी तरह हथियार डालने तक इजरायली सेना गाजा से पीछे नहीं हटेगी।

पं. प्रदीप मिश्रा

11को फिर बनेगा रिकॉर्ड

कुबेरेश्वरधाम। सावन की शिवरात्रि इस बार भी देश-दुनिया को एक सूत्र में बांधने जा रही है। 11 अगस्त की शाम 7 से 8 बजे तक पंडित प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर करोड़ों श्रद्धालु अपने-अपने घरों में पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की आराधना करेंगे। सीहोर के प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम से ऑनलाइन पार्थिव शिवलिंग अभिषेक का आयोजन होगा।

पीएम मोदी

आइए हम सब...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस से पहले हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने देश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमारा तिरंगा हमारे गर्व और गौरव का प्रतीक है। आइए हम सभी पूरे उत्साह के साथ हर घर तिरंगा अभियान में भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने के सामूहिक संकल्प को दोहराएं।

कार्टून कॉर्नर

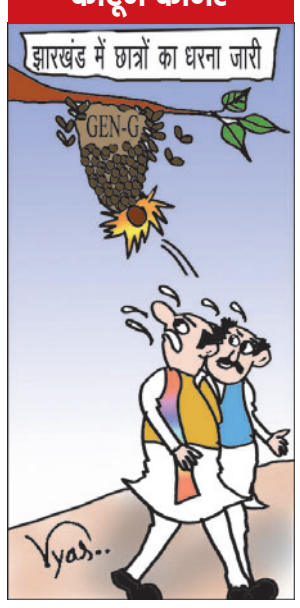

खास खबर

श्रीलंका के खिलाफ पडिक्कल-जडेजा और जायसवाल ने दिखाया दम

हेट्रिक छक्के से भारत जीता, भारत ने छह विकेट से जीता वॉर्म-अप मैच

कोलंबो। एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेला गया तीन दिवसीय वॉर्म-अप मैच समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने छह विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रीलंका ने 200 रन बनाकर पारी घोषित की थी, जिससे मेहमानों को 207 रनों का लक्ष्य मिला था। भारत ने लक्ष्य हासिल कर मुकाबला जीत लिया।

शुभमन को वार्म अप मैच से पहले अंगुली में चोट लगी थी और वह शुरुआती दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। इस वार्म अप मैच में एक दिन श्रीलंका को बल्लेबाजी करनी थी और एक दिन भारत को। तीसरे दिन दोनों टीमों को 45-45 ओवर बल्लेबाजी करनी थी।

फैंस ने ली राहत की सांस

■ श्रीलंका इलेवन ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 363 रन बनाकर घोषित कर दी थी। जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 357 रन बनाए और पारी घोषित कर दी।

■ तीसरे दिन श्रीलंका इलेवन ने 45 ओवर में छह विकेट पर 200 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर छह रन की लीड के साथ उनकी कुल बढ़त 206 रन की हुई और भारत को 207 रन का लक्ष्य मिला।

■ गिल के खेलने पर संशय था, लेकिन अब जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं तो टीम मैनेजमेंट के साथ-साथ फैंस ने राहत की सांस ली होगी। गिल की गैरमौजूदगी में दो दिन केएल राहुल ने कमाल संभाली थी।

JPSC-JSSC मामले पर सीएम हेमंत सोरेन बोले

युवाओं को राजनीतिक संरक्षण की जरूरत नहीं, मिलेगा न्याय

रांची। एजेंसी

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं से राजनीतिक संरक्षण से दूर रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि युवाओं का अधिकार है कि उन्हें उनका हक मिले और न्याय मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कार्रवाई के कारण ही युवाओं में गलत काम के खिलाफ आवाज उठाने और अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने का साहस आया है।

राजनीतिक दल युवाओं को गुमराह कर रहे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ लोगों की बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं और इन्हीं महत्वाकांक्षाओं के कारण राजनीतिक दलों को युवा पीढ़ी को गुमराह करने का रास्ता मिलता है। उन्होंने कहा कि देशभर में राजनीतिक दल अलग-अलग तरीके से युवाओं पर नजर रख रहे हैं और सच में झूठ मिलाकर उन्हें गुमराह करने की रणनीति पर काम हो रहा है।

4 नई फ्लाइट्स शुरू, पटना-कोलकाता से जुड़ा एमपी

भोपाल-रीवा और जबलपुर-कोलकाता रूट भी शुरू › हर राउंड ट्रिप पर 10 लाख तक वीजीएफ सहायता

भोपाल से बिहार-पश्चिम बंगाल का सफर होगा आसान

सीएम ने 4 फ्लाइट्स को किया रवाना

भोपाल।अजयभारत न्यूज

एमपी के आसमान में कनेक्टिविटी का नया अध्याय शुरू हो गया है। भोपाल अब पटना से और रीवा-जबलपुर सीधे कोलकाता से जुड़ गए हैं। सीएम मोहन यादव ने चार नई उड़ानों को हरी झंडी दिखाई। इन सेवाओं से यात्रियों का समय बचेगा और प्रदेश में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा व रोजगार को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर 9 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार नई हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इनमें भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता की सीधी उड़ानें शामिल हैं। अब भोपाल से पटना और विंध्य-महाकौशल क्षेत्र से कोलकाता का सफर पहले की तुलना में आसान होगा। यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट या लंबी सड़क यात्रा पर निर्भरता कम होगी।

हर राउंड ट्रिप पर 10 लाख तक VGF

इन उड़ानों का संचालन अलायन्स एयर द्वारा किया जाएगा। राज्य सरकार मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 के तहत इन सेवाओं को वित्तीय सहायता देगी। हर राउंड ट्रिप पर एयरलाइन कंपनी को 10 लाख रुपए तक की वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के शहरों को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ना और नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध आवागमन उपलब्ध कराना है।

किस रूट से किसे फायदा?

› भोपाल-रीवा रूट से राजधानी और विंध्य के बीच सीधा संपर्क।
› भोपाल-पटना फ्लाइट से एमपी से बिहार की राजधानी तक सीधी उड़ान।
› रीवा-कोलकाता उड़ान से विंध्य से पूर्वी भारत का सीधा कनेक्शन।
› जबलपुर-कोलकाता फ्लाइट से महाकौशल से कोलकाता की सीधी हवाई सेवा।

केंद्रीय मंत्री नायडू ने मप्र की एविएशन पॉलिसी को सराहा

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने नई उड़ानों के शुभारंभ पर खुशी जताई और मध्य प्रदेश की नई एविएशन पॉलिसी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के एविएशन सेक्टर में पिछले वर्षों में बड़ा विस्तार हुआ है। उड़ान योजना के जरिए छोटे शहरों को भी हवाई सेवा से जोड़ा जा रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में एयरपोर्ट और विमानों की संख्या तेजी से बढ़ी है और आने वाले वर्षों में एविएशन सेक्टर का और विस्तार होगा। उन्होंने मध्य प्रदेश की एविएशन पॉलिसी को देश की बेहतर नीतियों में से एक बताया।

सीएम डॉ.मोहन बोले- मप्र में तेजी से बढ़ रही एयर कनेक्टिविटी

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी लगातार विस्तार ले रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में नए एयरपोर्ट और नए हवाई मार्ग विकसित किए जा रहे हैं।सीएम ने कहा कि पिछले महीने इंदौर से अबू धाबी की इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू हुई है, जबकि करीब दो महीने बाद भोपाल से शारजाह की इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से प्रदेश के लोगों को दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों के जरिए यात्रा करने की मजबूरी कम होगी।

मजदूर किसान कल जेल भरो आंदोलन करेंगे

ग्वालियर। देश भर के संयुक्त ट्रेड यूनियन मंच एवं संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर मजदूर किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे देश भर में जेल भरो आंदोलन किया जा रहा है यह जेलभर आंदोलन 9 अगस्त भारत छोड़ो आंदोलन की तर्ज पर किया जा रहा है 7प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देश भर में करीब 10000 स्थान पर करोड़ों मजदूर और किसान जेल भरेंगे ग्वालियर में भी संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियन के मंच के तमाम संगठन सीटू, इंटक, एटक उसतथा मध्य प्रदेश किसान सभा, भारतीय अखिल भारतीय सभा, भारतीय किसान यूनियन, आदि तमाम संगठन मिलकर संयुक्त रूप से जेलभर आंदोलन करेंगे ग्वालियर में चिड़ियाघर के सामने कई 12-00 बजे आंदोलनकारी इकट्ठे होंगे एवं सत्याग्रह करेंगे इसी प्रकार डबरा में भी सत्याग्रह होगा और भितरवार में भी एसडीएम कार्यालय पर सत्याग्रह किया जाएगा मजदूर किसानों से इस सत्याग्रह को सफल बनाने की अपील की है

नई दिल्ली में 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मप्र को मिली सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली मेट्रो रेल में एयरपोर्ट से सम्मेलन स्थल तक की यात्रा

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विगत दिनों दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्थल तक एयारपोर्ट से मेट्रो रेल से यात्रा की। सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे लिये गर्व की बात है कि दिल्ली की मेट्रो रेल वर्ष 2018 से मध्यप्रदेश द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विद्युत से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो संचालन के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2044 तक निरंतर विद्युत आपूर्ति की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा को बढावा देने के लिये किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर जब प्रेजेंटेशन दे रहे थे, उस समय बेकग्राउण्ड में स्क्रीन पर दिल्ली मेट्रो में सफर संबंधित चित्र प्रदर्शित हो रहे थे।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा मध्यप्रदेश मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिये आभार

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महानिदेशक दिल्ली मेट्रो प्रमित गर्ग ने दिल्ली मेट्रो को बगैर किसी निवेश के मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिये आभार जताया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिये आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

गोल पहाड़िया-तिघरा रोड का मंत्री कुशवाह ने लिया जायजा

सड़क धंसने वाले स्थानों को चिन्हित कर सुरक्षा एवं सुधार कार्य कराने के दिए निर्देश

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

गोल पहाड़िया-तिघरा रोड पर सड़क की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क धंसने वाले स्थानों को चिन्हित कर वहां आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ सुधार कार्य कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कुशवाह ने सड़क की स्थिति तथा आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़क पर ऐसे स्थानों को प्राथमिकता से चिन्हित किया जाए, जहां सड़क धंसने अथवा क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में परेशानी या दुर्घटना की संभावना हो। इन स्थानों पर आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के साथ सुधार कार्य भी कराया जाए।

लोगों से अपील

मंत्री श्री कुशवाह ने सड़क किनारे रह रहे लोगों से भी संवाद कर अपील की कि वे सड़क के नजदीक किसी प्रकार का निर्माण न करें। उन्होंने कहा कि सड़क की सीमा के समीप अनधिकृत अथवा असुरक्षित निर्माण से यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ सकती है। नागरिकों की सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए सड़क से पर्याप्त दूरी बनाए रखना जरूरी है।इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय तथा अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस

भोपाल में हजारों का शक्ति प्रदर्शन

उमंग सिंघार बोले-आदिवासी कोड की लड़ाई 100 बार लड़ेंगे

भोपाल।अजयभारत न्यूज

विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार को राजधानी भोपाल में आदिवासी समाज ने अपनी एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन किया। टीटी नगर दशहरा मैदान में आयोजित विशाल सम्मेलन में 22 से अधिक आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हजारों लोग शामिल हुए। अलग-अलग इलाकों से निकली रैलियां ढोल-मांदल और पारंपरिक वेशभूषा के साथ दशहरा मैदान पहुंचीं। सम्मेलन में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आदिवासी कोड की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ाने का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज भीख नहीं मांगता, बल्कि अपना अधिकार मांगता है। आदिवासी कोड की लड़ाई एक बार नहीं, 100 बार लड़ी जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष नहीं, समाज का हिस्सा बनकर आया हूं

उमंग सिंघार ने कहा कि वे कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज का हिस्सा होने के नाते शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी समाज की आबादी 22 प्रतिशत से अधिक है, इसके बावजूद समाज को उसके अधिकार नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। सिंघार ने कहा कि वे खुद आदिवासी समाज से आते हैं और गांवों में लोगों के सामने मौजूद कठिन परिस्थितियों से परिचित हैं।

नेता प्रतिपक्ष नहीं, समाज का हिस्सा बनकर आया हूं

उमंग सिंघार ने कहा कि वे कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज का हिस्सा होने के नाते शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी समाज की आबादी 22 प्रतिशत से अधिक है, इसके बावजूद समाज को उसके अधिकार नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। सिंघार ने कहा कि वे खुद आदिवासी समाज से आते हैं और गांवों में लोगों के सामने मौजूद कठिन परिस्थितियों से परिचित हैं।

गुना पुलिस ने छह दिन में चोरी का किया खुलासा

1.47 करोड़ से अधिक के सोने के आभूषण जब्त

भोपाल।अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश पुलिस की संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गुना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चक चुरेला में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने मात्र छह दिनों में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 1 करोड़ 47 लाख रुपये से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। मामले के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार 2-3 अगस्त की मध्यरात्रि ग्राम चक चुरेला निवासी बाबूलाल मीना के घर से बदमाश तिजोरी और मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए थे। तिजोरी में करीब 2 से 2.5 किलोग्राम सोने के आभूषण, 3 किलोग्राम चांदी के जेवर और 11.50 लाख रुपये नकद रखे थे। घटना के बाद फतेहगढ़ थाने में प्रकरण दर्ज कर विशेष जांच शुरू की गई। घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के बावजूद पुलिस ने फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों, डॉग स्क्वाड, तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और फील्ड ऑपरेशन का सहारा लेकर आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की। पुलिस टीमों ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न जिलों में समन्वित अभियान चलाया और 8 अगस्त को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत सिंह सुमन, एसडीओपी गुना विवेक अष्ठाना और पुलिस टीमों के समन्वित प्रयास से की गई। पुलिस ने कहा कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और मजबूत सूचना तंत्र के जरिए संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मंत्री कंषाना की अध्यक्षता में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर बैठक

दतिया।अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश शासन के किसान कल्याण, कृषि विकास विभाग एवं जिले के प्रभारी मंत्री ऐदल सिंह कंषाना की अध्यक्षता में रविवार को सर्किट हाउस दतिया में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सेवढ़ा विधायक प्रदीप अग्रवाल, कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े, पूर्व विधायक घनश्याम पिरौनिया, आशुतोष तिवारी, नगर पालिका दतिया अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रशांत ढेंगुला सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में 10 अगस्त से 14 अगस्त तक हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत नागरिकों में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बैठक में बताया गया कि 13 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर एवं संस्थान पर तिरंगा फहराया जाएगा। तिरंगा फहराने के उपरांत नागरिक सेल्फी एवं फोटो लेकर उन्हें सरल पोर्टल, हर घर तिरंगा पोर्टल तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करेंगे। 15 अगस्त की शाम को राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारकर सुरक्षित रखा जाएगा। हर घर तिरंगा यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ स्कूली विद्यार्थी, अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड सहित विभिन्न वर्गों के नागरिक सक्रिय रूप से सहभागिता करेंगे। बैठक में अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने तथा जिले के अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में प्रभारी मंत्री श्री कंषाना ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे शिविरों एवं जन सुनवाई की विस्तृत समीक्षा। उन्होंने जिले में अभी तक आयोजित शिविरों के बारे में जानकारी प्राप्त कर आगामी दिनों में आयोजित होने वाले शिविरों की विस्तृत रूप रेखा को जाना। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजित शिविरों में मुख्यमंत्री की मंशानुरूप अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई में आ रहे आवेदनों का मौके पर निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाये।

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 20 वार्ड क्रं 47,स्थान फ्लैट क्रं 203, श्री जी अपार्टमेंट, कमाठीपुरा** ग्वा0 मे स्थित है जो कि **पार्वती शर्मा/श्याम नारायण शर्मा,श्याम नारायण/लक्ष्मीनारायण शर्मा** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं** 1000213021 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल 600 **वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्रक्रं आर-23062601083582 दिनांक** 02.07.2026 द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र 20 सिंधी कॉलोनी वरार समाज, **क्षे.क्र20,** पर दिनांक 04.08.2026 को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं 74/2010/65921/65976** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस **की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय** सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

संतोष तिवारी/स्व. बालकिशन तिवारी
पता-श्री जी अपार्टमेंट कमाठीपुरा ग्वा0 (म.प्र.)
मो0-6269544325

विज्ञप्ति जारी दिनांक-09.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 18,स्थान एम-493 शताब्दीपुरम ग्वा0** मे स्थित है जो कि **अवधेश सिंह/स्व. अजब सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं** 9000308024 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **538 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्रक्रं एमपी142592020ए1099878 दिनांक** 07.02.2020 द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र डी.डी नगर, **क्षे.क्र08,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

श्रीमती जूली/प्रमोद कुमार
पता-शताब्दीपुरम ग्वा0 (म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक-09.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्र 08 वार्ड क्रं 18,स्थान शताब्दीपुरम ग्वा0** मे स्थित है जो कि **अंकित ग्रह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित ग्वालियर द्वारा अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह/गनेश सिंह** नाम से नगर निगम मे **आई डी क्रं** 1000188165 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफल **2927 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को **रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र/ मृत्युउपरान्त/उत्तराधिकार/वसीयत/दानपत्र/ विभाजन** द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र डी.डी नगर, **क्षे.क्र08,** पर दिनांक को किया गया है। जिसका **आवेदन कार्य क्रं** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता-

श्रीमती फूलवती/रामस्वरूप, श्रीमती नीलम/रामलखन
पता-शताब्दीपुरम ग्वा0 (म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक-09.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्रं 09** वार्ड क्रं **27**, भवन क्रं 05 स्थान **नया संतर मुरार** ग्वा0 मे स्थित है जो कि **मोहन कुमार माथुर/मथुरा प्रसाद** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र 1000133394 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफ्ल **1635 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र/उत्तराधिकार द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **टप्पा तहसील मुरार, क्षे.क्र 09,** पर दिनांक 07.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं **66/2010/76913/77010** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता

मनीष माथुर/स्व. मोहन कुमार
पता-नया संतर मुरार ग्वा0(म.प्र.)

विज्ञप्ति जारी दिनांक-09.08.2026

नामांकन विज्ञप्ति/आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम ग्वालियर क्षेत्र के अंतर्गत मेरी संपत्ति **क्षेत्र क्रं 22** वार्ड क्रं **62**,स्थान **ब्लॉक सी-89** एंव **90,विनायक सिटी** ग्वा0 मे स्थित है जो कि **मैसर्स ओमसन रियलिटी प्राईवेट लिमिटेड द्वारा अधिकृत डारयेक्टर श्याम शर्मा/ओमप्रकाश** के नाम से नगर निगम मे आई डी क्र 9000306996 पर दर्ज है। जिसका क्षेत्रफ्ल **2000 वर्गफुट** है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र/उत्तराधिकार द्वारा प्राप्त किया गया है। उक्त संपत्ति को मेरे द्वारा मध्यप्रदेश नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 अंतर्गत धारा 167 के आशयों की पूर्ति संपत्तिकर एंव अन्य उपकर की वसूली हेतु नामांकन आवेदन जनमित्र समाधान केन्द्र **खुर्रै, क्षे.क्र 22,** पर दिनांक 06.08.2026 को किया गया है। जिसका आवेदन कार्य क्रं **87/2015/22270/22003** प्र. क्र.... 3/11 है। उक्त के संबध में यदि किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय आयुक्त नगर निगम ग्वालियर सिटी सेंटर मे स्थित संपत्तिकर विभाग कक्ष क्रं. 205,202 मे प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित में अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी एंव उक्त कार्यालय द्वारा युक्तियुक्त निर्णय लिया जावेगा।

आवेदक का नाम व पता

आकांक्षा श्रीवास्तव/भरतदेव श्रीवास्तव
पता-विनायक सिटी ग्वा0(म.प्र.)
मो0-8982080657

विज्ञप्ति जारी दिनांक-09.08.2026

विश्व आदिवासी दिवस पर फूलबाग से निकला चल समारोह

पारंपरिक वेशभूषा में धनुष-बाण थामे निकले आदिवासी, लोकगीतों पर थिरके युवक-युवतियां

अंचलभर से शामिल हुए उरांव और अन्य आदिवासी समाज के लोग

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को अंचल भर से आए उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में धनुष-बाण के साथ नृत्य करते हुए चल समारोह निकाला। वनांचल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की सुरीली ध्वनि और लोकगीतों के बीच युवक-युवतियां उत्साह के साथ समारोह में शामिल हुए। आदिवासियों ने डीजे पर वाद्ययंत्र बजाने के साथ धनुष पर तीर के संधान का प्रदर्शन भी किया। यह आयोजन उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज संगठन समिति एवं उरांव आदिवासी समाज संगठन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। चल समारोह फूलबाग मैदान से प्रारंभ हुआ। यहां से आदिवासी समाज के लोग रेलवे स्टेशन, गांधी रोड और थाटीपुर होते हुए अजाक्स कार्यालय पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह चल समारोह का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति के सचिव रामेश्वर राम पटेल ने बताया कि पूरे समय वनांचल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की सुरीली ध्वनि पर युवक-युवतियां लोकगीत गाते हुए आगे बढ़े। चल समारोह में पारंपरिक संस्कृति और आदिवासी समाज की एकजुटता की झलक देखने को मिली। अजाक्स कार्यालय पहुंचने के बाद मुख्य अतिथि बानेश्वर राम भगत, विशिष्ट अतिथि विपिन टोप्पो, नीलकमल लकड़ा, प्रदेश संयोजक विनोद बड़ा, अध्यक्ष जगपति भगत, जुनास एक्का, सचिव रामेश्वर राम पटेल, सुरेंद्र भगत, कोषाध्यक्ष जतरूराम भगत, जेम्स टोप्पो ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बानेश्वर राम भगत ने कहा कि आदिवासी लोग न केवल अपनी संस्कृति और परंपराओं को बचाए हुए हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रामेश्वर राम पटेल ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, संस्कृति, परंपरा, अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए संकल्प लेने का दिन है। विशिष्ट अतिथि विपिन टोप्पो ने कहा कि आज के समय में आदिवासी समाज की युवा पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा, तकनीक एवं रोजगार के अवसरों का लाभ उठाते हुए अपनी संस्कृति, भाषा और परंपराओं को भी संरक्षित करना होगा।

टोलियों ने नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं

नीलकमल लकड़ा ने कहा कि समाज की प्रगति का आधार शिक्षा, एकता और सामाजिक जागरूकता है। इसके बाद अंचल भर की विभिन्न टोलियों ने नृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। पारंपरिक वेशभूषा में युवक-युवतियों ने आदिवासी लोक संस्कृति से जुड़े नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर माहौल को उत्सवमय बना दिया। अंत में रामेश्वर राम पटेल ने उपस्थित समाजबंधुओं को शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समानता, संवैधानिक अधिकारों की जागरूकता, महिलाओं एवं युवाओं के सशक्तिकरण तथा आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दिलाया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में ललित एक्का, क्रीस्तोफर तिर्की, विजेन्द्र कुमार भगत, अनिता मिंज, तरसीमिया एक्का, लिली कपिला, कोरनेलियुस एक्का, सुरेश भगत, सुरेंद्र भगत, सिरिल तिर्की, अंजना तिर्की, सुशीला पन्ना, जार्ज केरकेट्टा, निरंजन टोप्पो, तेलेस्फोर मिंज, ग्रेगोरी मिंज, फबियानुस तिर्की, निखिल कुजूर, गुरुचरण भगत, सतीश भगत, उर्मिला भगत, श्याम प्रसाद भगत, लच्छू राम तिर्की, रामदेव भगत, जोनसन तिग्गा, पंखासियुस खलखो, मंगलराम भगत, रंजीत ललित एक्का, चनमन भगत, तरसिसिया एक्का, जगजीवन भगत, रामेश्वरी भगत सहित बड़ी संख्या में उरांव एवं अन्य आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान

तिरंगामय हुआ शहर का हृदय स्थल महाराज बाड़ा

» वंदे मातरम् व देशभक्ति के नारों का जयघोष करते हुए निकली तिरंगा यात्रा

» ग्वालियर जिले में भी 9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

शहर का हृदय स्थल महाराज बाड़ा रविवार की शाम तिरंगामय हो गया। हाथों में देश की आन-बान और शान का प्रतीक तिरंगा थामकर जब भूतपूर्व सैनिक, पार्षदगण व अन्य जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी, युवा एवं शहर के नागरिकों की विशाल तिरंगा यात्रा निकली तो सम्पूर्ण महाराज बाड़े पर देशभक्ति हिलोरें लेने लगी। तिरंगा यात्रा में नगर निगम सभापति मनोज तोमर व भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय समेत जिला प्रशासन व नगर निगम के अन्य अधिकारी, भूतपूर्व सैनिक और शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। युवा पीढ़ी में देशभक्ति का जज्बा पैदा करने एवं इसमें जन-जन की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा 9 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत महाराज बाड़ा पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में युवाओं ने भारत माता की जय, वंदे मातरम्, हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा और स्वतंत्रता अमर रहे जैसे देशभक्तिपूर्ण नारे लगाए। साथ ही शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट किया। तिरंगा यात्रा का समापन महाराज बाड़ा पर जियोलॉजिकल म्यूजियम के सामने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन एवं भारत माता के जयघोष के साथ हुआ। इस अवसर पर अपर आयुक्त नगर निगम प्रदीप तोमर व मुनीष सिकरवार, एसडीएम लश्कर नरेन्द्र बाबू यादव, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी नरेन्द्र सिंह तोमर व बलवीर सिंह तोमर सहित अन्य भूतपूर्व सैनिक उपस्थित थे।

जल-जंगल-जमीन और प्रकृति संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका अहम

›विश्व आदिवासी दिवस पर अजाक्स कार्यालय में विचार गोष्ठी व आदिवासी सम्मान समारोह, अतिथियों ने किया पौधारोपण

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

मेला ग्राउंड के सामने 27-ए स्थित अजाक्स कार्यालय में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जल, जंगल, जमीन एवं प्रकृति के संरक्षण में आदिवासी समाज की भूमिका विषय पर विचार गोष्ठी एवं आदिवासी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर एवं महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीन डॉ. राजेश गौर ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और प्रकृति संपूर्ण राष्ट्र की धरोहर हैं। हमारी एक-एक सांस प्रकृति और राष्ट्र को समर्पित है। उन्होंने प्रकृति संरक्षण को प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बताया। पूर्व न्यायाधीश आरपी कतरोलिया ने कहा कि पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधे का पालन-पोषण करना भी धरती पर जन्मे प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रकृति के पूजक आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। संभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया ने संगठन को मजबूत करने के लिए अनुशासन प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की बात कही। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव ने कहा कि स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा आदिवासी समाज से मिलती है।

शॉल - श्रीफल से सम्मान

कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजी. केबी दोहरे ने की। मंच पर प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, संभागीय संरक्षक शांतिप्रकाश राजौरिया, डिवीजनल अकाउंटेंट डीएल मीणा, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंजना तिर्की एवं कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अतर सिंह जाटव मौजूद रहे। संचालन अतर सिंह जाटव ने किया, जबकि आभार वरिष्ठ उपाध्यक्ष एनडी मौर्य ने व्यक्त किया। समारोह में आदिवासी समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों को प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने अजाक्स कार्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष युवा छात्र ममता जामरा, लक्ष्मीनारायण जाटव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एनडी मौर्य, उपाध्यक्ष वीरेंद्र जयंत, डॉ. नवीन नागर, ओपी सिंह, झड़ा सिंह गोयल, एलएन बौद्ध, सुमन खरे, दिनेश लोहिया, जीएस गौतम, जिला सचिव राजेंद्र पक्षवार, कोषाध्यक्ष मनीराम काटोरिया, राजेंद्र बरैया, एमडी चंदेल, दर्शन सिंह, रामेश्वर इमले, अरविंद चौरसिया, सीएल शाक्या, डॉ. मोतीलाल यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

किडनी ट्रांसप्लांट से क्रॉनिक किडनी डिजीज

के मरीजों को मिल सकता है नया जीवन

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और खराब जीवनशैली से जुड़ी दूसरी समस्याओं के कारण बड़ी संख्या में लोग किडनी फेल होने की स्थिति तक पहुंच रहे हैं। कई लोगों को यह जानकारी नहीं होती कि जिन मरीजों के लिए यह संभव हो, उनके लिए किडनी ट्रांसप्लांट सबसे प्रभावी और लंबे समय तक फायदा पहुंचाने वाला इलाज माना जाता है। इससे जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है, मरीज ज्यादा आत्मनिर्भर बनते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। यह बात रविवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान डॉ. विकास जैन, यूरोलॉजी विभाग के एचओडी एवं कंसल्टेंट, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल नई दिल्ली ने कही। उन्होंने कहा कि डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापे और जीवनशैली से जुड़ी दूसरी समस्याओं के बढ़ते मामलों के कारण क्रॉनिक किडनी डिजीज तेजी से बढ़ रही है। दुर्भाग्य से, किडनी से जुड़ी बीमारियों के शुरुआती चरण में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। इसी वजह से कई मरीज तब डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, जब किडनी को काफी नुकसान पहुंच चुका होता है। जो लोग जोखिम की श्रेणी में आते हैं, उन्हें नियमित जांच करवानी चाहिए। समय रहते बीमारी का पता चलने से उसकी रफ्तार को कम किया जा सकता है। जिन मरीजों में किडनी पूरी तरह से काम करना बंद कर देती है और जो चिकित्सकीय रूप से इसके लिए उपयुक्त होते हैं, उनके लिए किडनी ट्रांसप्लांट सबसे प्रभावी उपचार विकल्प साबित हो सकता है। सही देखभाल और नियमित जांच के जरिए मरीज लंबे समय तक बेहतर जीवन जी सकते हैं।

सेवादल ने निकाला तिरंगा मार्च

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

ग्वालियर । भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव की अध्यक्षता में विचार संगोष्ठी आयोजित की गई, कार्यक्रम का शुभारंभ कांग्रेस भवन में स्थापित राष्ट्रीय नेतांओ की प्रतिमा पर माल्यपर्ण कर राष्ट्रगान से किया गया। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता वरिष्ठ कांग्रेसनेता राजेन्द्र सिंह नाती रहे, जिन्होंने संगोष्ठी में परतंत्र भारत को आजाद कराने के लिए देश पर कुर्बान हुए अमर शहीदों और भारत छोड़ो आंदोलन ने किस तरह से जनआंदोलन बनकर देश को आजाद कराया पर प्रकाश डाला। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस जिला सेवादल ने सेवादल के जिला अध्यक्ष हरेन्द्र गुर्जर के नेतृत्व में अचलेश्वर मंदिर से तिरंगा मार्च निकाला जो अचलेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर जयेंद्रगंज चौराहा, संजय कॉम्प्लेक्स एवं नदी गेट होते हुए जिला कांग्रेस कार्यालय, शिंदे की छावनी पहुंचकर तिरंगा मार्च का समापन हुआ। कांग्रेस पार्टी सदैव लोकतंत्र, संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अग्रणी रही है। जिस तरह 1942 में हमने अंग्रेज़ी साम्राज्यवाद को चुनौती दी थी, उसी तरह आज भी हमें हर उस ताकत का सामना करना है ।

खास खबर पंजाबी परिषद समिति की निशुल्क जल सेवा किसी तपस्या से काम नहीं : प्रवीण अग्रवाल

पंजाबी परिषद की जल सेवा, नारायण सेवा के समान : निरंजन शर्मा

ग्वालियर। अह्वजयभारत न्यूज

पंजाबी परिषद समिति द्वारा आज से 32 वर्ष पूर्व दो मटको से शुरू हुई ग्वालियर के रेलवे स्टेशन पर निशुल्क जल सेवा की हुई शुरुआत जिसका आज देश के कोने - कोने से आये यात्रियों को गर्मी के दिनों में इंतजार रहता है कि ग्वालियर के रेलवे स्टेशन पर पंजाबी परिषद समिति द्वारा निशुल्क जल शीतल जल सेवा का ठंडा शीतल जल हमें मिलेगा।इस वर्ष 5 अप्रैल से शुरू हुई जल सेवा का आज समापन किया गया। मीडिया प्रभारी राजू पंडित ने बताया -कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निरंजन शर्मा ने इस सेवा को नर सेवा नारायण सेवा के समान बताया, तो वहीं पर प्रवीण अग्रवाल ने इस सेवा को भीषण गर्मी एसी, कूलर सुख साधन को छोड़कर स्टेशन पर आकर ऐसे यात्रियों की प्यास बुझाने को कड़ी तपस्या का उदाहरण दिया, तो वही पार्षद अनिल सांखला, कपिल शर्मा एवं अमर कुट्टे, सूर्य प्रताप सिंह तोमर ने निशुल्क जल सेवा की सराहनीय प्रशंसा की एवं पुण्यात्मक कार्य बताया, कार्यक्रम का संचालन जी के सूरी ने किया, आभार अशोक मारवाह ने किया।

इनका हुआ सम्मान

पंजाबी परिषद के मुख्य संरक्षक कुलवीर भारद्वाज, अध्यक्ष अशोक मरवाह जल सेवा संयोजिका प्रमिला मारवाह सचिव जीके सूरी ,उपाध्यक्ष नरेंद्र बेदी ,कोषाध्यक्ष आत्म प्रकाश मोंगिया, पंजाबी सेवा समिति के अध्यक्ष मोहनलाल अरोरा, मनोहर लाल भल्ला, अनिल मल्होत्रा, के बी गंभीर, रामकुमार चोपड़ा, बी डी वर्मा आदि ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकायुक्त एसपी निरंजन शर्मा विशेष अतिथि चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, पार्षद अनिल सांखला, पार्षद कपिल शर्मा, एवं विवेकानंद मंडल के अध्यक्ष अमर कुठे , सूर्य प्रताप सिंह तोमर का शॉल, श्रीफल देकर स्वागत किया।

ये रहे मौजूद

आयोजन में विनोद सूरी,सुनील कोहली, संगीता मल्होत्रा, के, बी गंभीर, रीता मल्होत्रा, लक्ष्मी जुनेजा, राधा ठकराल,ललित बेरी, पूजा केला, ललिता केला, सुनील वाधवा, पी के राठौर, सुरेंद्र जुनेजा, हिमांशु खत्री,अनिल शर्मा बिट्टू,सुनीता शर्मा,?इंद्र कुमार बेरी, नवीन चांनना, निर्मल अरोरा, आलोक संध्या चिचड़ा, सुनील चिचड़ा, शिल्पा खत्री, संतोष मोगिया, अनिल कपूर, अनीता कपूर, पंकज चौहान, राजीव हरि तवाल,इंदू चोपड़ा, सविता अरनेजा, रिंकू कुशवाहा, के एन राठौर, पुष्पलता, एन के खंडेलवाल, गेंदालाल, राजेंद्र परिहार, राजीव पोपली, शरद गुप्ता, भूपेंद्र बत्रा, शिवनारायण गुप्ता, घनश्याम जैसवानी, ज्योति बत्रा एवं मीडिया प्रभारी राजू पंडित सहित भारी संख्या जल सेवा धारी उपस्थित हुए।

गंगा गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं के लिए शुरू हुआ जिम, टेबल टेनिस व बैडमिंटन कोर्ट

रात में भी बैडमिंटन खेल सकेंगी छात्राएं, डीन डॉ. धाकड़ ने किया सुविधाओं का शुभारंभ

ग्वालियर।अजयभारत न्यूज

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) की छात्राओं को अब फिटनेस और खेल गतिविधियों के लिए हॉस्टल से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। कैंपस स्थित गंगा गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं के लिए जिम, टेबल टेनिस कोर्ट और बैडमिंटन कोर्ट की सुविधा शुरू कर दी गई है। जीआरएमसी के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने इन सुविधाओं का विधिवत शुभारंभ कर छात्राओं को समर्पित किया। हॉस्टल परिसर में बनाए गए जिम में छात्राओं के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं, टेबल टेनिस के साथ बैडमिंटन कोर्ट भी तैयार किया गया है। बैडमिंटन कोर्ट की खास बात यह है कि यहां छात्राएं रात के समय भी खेल सकेंगी। इसके लिए कोर्ट में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की गई है। इससे छात्राओं को पढ़ाई के साथ अपनी पसंद के खेलों और शारीरिक गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल मिल सकेगा। सुविधाओं के शुभारंभ अवसर पर डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई काफी व्यस्त और चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना जरूरी है। पढ़ाई के साथ नियमित शारीरिक गतिविधियां तनाव कम करने और फिटनेस बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हॉस्टल में खेल और जिम की सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस मौके पर चीफ वार्डन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, वार्डन डॉ. नीलिमा टंडन, डॉ. शक्ति सिंघल, डॉ. अर्चना मौर्य, डॉ. अमित निरंजन, डॉ. हितेंद्र यादव और स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. प्रदीप सारस्वत सहित हॉस्टल में रहने वाली छात्राएं मौजूद रहीं।

आज का विचार

डरो मत, हमारा स्वभाव शेर का है, और हम चूहों या ऐसे छोटे जीवों के विनाश के लिए अपने स्तर को नीचे नहीं गिरा सकते।

■ महारानी एलिजाबेथ प्रथम

मैं भेड़ों की उस सेना से नहीं डरता जिसका नेतृत्व एक शेर कर रहा हो; बल्कि मैं शेरों की उस सेना से डरता हूँ जिसका नेतृत्व एक भेड़ कर रही हो।

■ सिकंदर महान

सम्पादकीय

E20: क्या गाड़ियों को कबाड़ बना रहा?

ई20 ईंधन सीधे तौर पर सभी गाड़ियों को कबाड़ नहीं बना रहा है, लेकिन यह पुरानी गाड़ियों के इंजनों के लिए तकनीकी रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है।हाल ही में राजनीतिक विपक्षी दलों और कई वाहन मालिकों द्वारा यह चिंता जताई गई है कि इसके इस्तेमाल से पुरानी गाड़ियां खराब हो रही हैं।कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। 2012 से लेकर 2014 तक जिस तरह से यूपीए की मनमोहन सरकार के खिलाफ रोजाना कोई ना कोई ऐसा मामला खुलता था। जिसके कारण मनमोहन सरकार के बारे में यह राय आम जनता की बनती चली गई, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। नेता के रूप में गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात मॉडल, अच्छे दिन का वादा, विदेश से ब्लेक मनी लाकर 15 लाख देने, उद्योगपति रतन टाटा और मुकेश अंबानी का यह कहना, नरेंद्र मोदी यदि भारत के प्रधानमंत्री बनेंगे तो भारत का विकास और भारत की किस्मत ही बदल जाएगी।

यह समय की बलिहारी उद्योगपति लाबी का समर्थन मिलने तथा केग प्रमुख विनोद राय के काल्पनिक आधार पर सरकार के घपले और घोटाले को बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया। मनमोहन सिंह सरकार को जिस तरह से भ्रष्टाचार के मामले में घेरने और बदनाम करने की मुहिम चलाई गई। उसने 2014 के लोकसभा चुनाव का पूरा रुझान ही बदल दिया। ऐसा लगने लगा, मनमोहन सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। इसने कुछ भी नहीं किया। अब वही स्थिति 2026 में एकाएक देखने को मिल रही है। एक के बाद एक केग के आ?डिट में घपले-घोटाले बाहर निकलकर आ रहे हैं। यह अलग बात है कि जिस तरह पहले सुप्रीम कोर्ट, घपले-घोटाले को संज्ञान में लेती थी। अब वैसा संज्ञान नहीं लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट बंद लिफाफे में राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर घपले घोटाले को लिफाफे में बंद करके रख देती है। न्यायालय का संरक्षण सरकार के पक्ष में होने के बाद भी जिस तरह से एक के बाद एक मामले खुलते चले जा रहे हैं। उसने 2026 में 2014 की याद दिला दी है। राहुल गांधी अकेले ऐसे नेता थे, जो मोदी सरकार का ?बिना डरे मुखर होकर पिछले कई वर्षों से विरोध कर रहे थे। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर भारत की राजनीति फिजा बदली हुई थी। नेता डरे हुए थे, सीबीआई और ईड़ी के डर से कांग्रेस नेता छोड़ कर जा रहे थे। जहां विपक्षी दलों की सरकारें थी, उनमें भी डर और भय का माहौल था। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सैकड़ो की संख्या में सांसद और विधायक अपनी मूल पार्टी को छोड़कर भाजपा में आ गए। देखते ही देखते डबल इंजन की सरकारें बनने का जो क्रम 2016 के बाद शुरू हुआ, वह पश्चिम बंगाल के चुनाव तक अश्वमेध यज्ञ की भांति सफलता पूर्वक आगे बढ़ता रहा। पश्चिम बंगाल के चुनाव के बाद जैसे किसी की नजर लग गई है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जो नेता और कार्यकर्ता तीन पीढ़ियों से पार्टी की सेवा कर रहे थे। वह भी हैरान परेशान थे, उनके स्थान पर अन्य दलों से आए हुए भ्रष्टाचारी नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों को सरकार में जगह मिल रही है। उन्हें मरी हुई मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया गया है। अयोध्या के राम मंदिर मैं दान और चढ़ावा चोरी के मामले में ऐसा लगता है, प्रभु राम भी भाजपा से नाराज हो गए हैं। जिस तरह से रावण ने सीता माता का अपहरण साधु के वेश में किया था। राम मंदिर के नाम पर राम भक्तों को जिस तरह से ठगा गया है। उनकी आस्थाओं के साथ खेला गया, यहीं से खेल बिगड़ना शुरू हो गया। नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में जिस तरह से जेन जेड वानर सेना का प्रवेश हुआ। उसके बाद अलग-थलग पड़े नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जैसे प्रभु राम का आशीर्वाद मिल गया है। वह सरकार पर इतने भारी पड़ गए कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने अब ई 20 के खिलाफ नया मोर्चा खोल दिया है। भारत के अधिकांश घर का एक न एक बच्चा जेन-जेड और जेन अल्फा है। पूरे देश में एकाएक बच्चे और युवा राहुल गांधी के मुरीद हो रहे हैं। पेट्रोल का उपयोग भी अब गरीब से गरीब परिवार को करना पड़ता है। ई 20 का मामला भी भारत के अधिकांश परिवार से जुड़ा हुआ है। इन दोनों मामलों में जिस तरह से राहुल गांधी ने राजनीति की बिसात बिछाई है। उसी बिसात पर भाजपा और एनडीए को चलना पड़ रहा है।

आज का चिंतन

आंतरिक स्रोत ही आनन्द है

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं।

माय ओपीनियन

■ -अशोक भाटिया

बदलता संघ और बदलता युवा: संघ प्रमुख मोहन भागवत का Gen-Z के नाम संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परंपरा, अनुशासन और प्राचीन मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समकालीन युवा पीढ़ी–जिन्हें जेन-जी और जेन-अल्फा कहा जाता है–के पक्ष में खुलकर खड़े होते हैं, तो यह भारतीय विमर्श में एक युगांतरकारी मोड़ का संकेत है। हाल ही में संघ प्रमुख ने जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ युवाओं की सोच, उनके अधिकारों, उनके विरोध प्रदर्शनों और उनकी देशभक्ति का समर्थन किया है, उसने देश के नीति-निर्माताओं और पुरानी पीढ़ी को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है । यह संदेश दर्शाता है कि संघ समय के साथ न केवल बदल रहा है, बल्कि नए भारत की नई सोच को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। डिजिटल बदलावों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच यह संदेश राष्ट्र निर्माण की एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अमूमन हर दौर में पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से शिकायतें रही हैं। आज भी अक्सर जेन-जी को लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि वे रील्स और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोए हुए हैं, वे एकाग्रता की कमी से जूझ रहे हैं और अपनी संस्कृति से दूर जा रहे हैं। लेकिन डॉ. मोहन भागवत ने इन तमाम रूढ़िवादिता को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार, पारदर्शी, जागरूक और देशभक्त है।

संघ प्रमुख का यह कहना कि वे नई पीढ़ी पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, एक बहुत बड़ा वक्तव्य है । यह भरोसा इस समझ से उपजा है कि आज का युवा पाखंड को पसंद नहीं करता। वह जो सोचता है, वही बोलता है; उसकी कथनी और करनी में दिखावा नहीं होता। उनकी देशभक्ति किसी प्रदर्शनकारी राष्ट्रवाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि देश को आंतरिक रूप से मजबूत और अधिक न्यायसंगत बनाने की उनकी स्वाभाविक इच्छा से प्रेरित है। जब देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन युवाओं की इस प्रामाणिकता को मान्यता देता है, तो यह युवाओं के आत्मविश्वास को एक नई उड़ान देता है और पुरानी पीढ़ी के संशय को दूर करता है।

इस संदेश का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला हिस्सा वह था, जहां डॉ. भागवत ने युवाओं के विरोध प्रदर्शनों और उनके अधिकारों की बात की । पिछले कुछ वर्षों में देश ने विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के उग्र आंदोलन देखे हैं। दुर्भाग्यवश, कई बार ऐसे आंदोलनों को फौरन दबाने या उन्हें देश-विरोधी या गुमराह बताने की कोशिशें की जाती रही हैं। लेकिन सरसंघचालक ने इस पर बेहद परिपक्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण रखा।

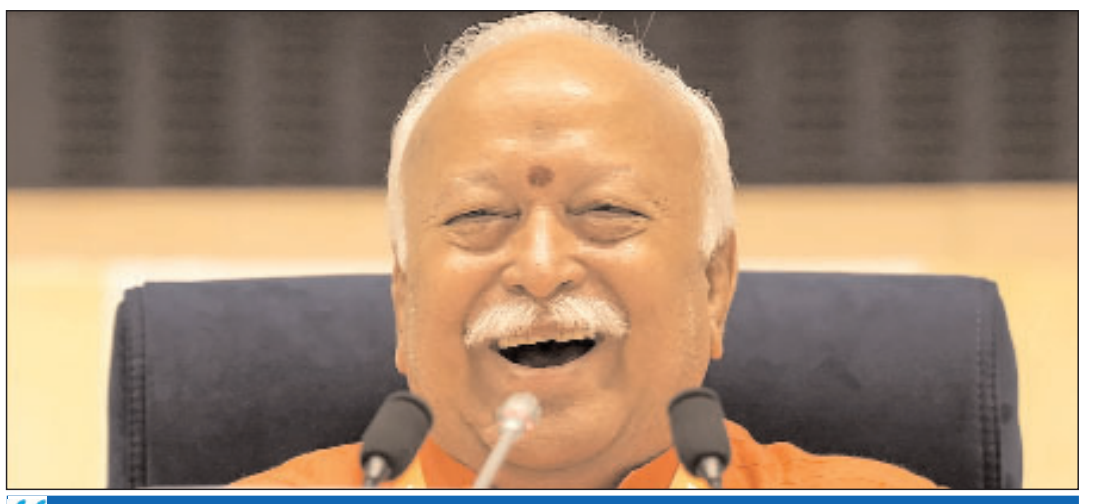

> आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

उन्होंने साफ किया कि व्यवस्था, सरकारी नीतियों या किसी घटना के खिलाफ आवाज उठाना और विरोध प्रदर्शन करना युवाओं का लोकतांत्रिक अधिकार है । युवाओं का गुस्सा व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुधारने, पारदर्शी बनाने और अधिक जवाबदेह देखने के लिए होता है। किसी आंदोलन में शामिल होने मात्र से कोई युवा देश-विरोधी नहीं हो जाता । यह बयान उन ताकतों के लिए एक कड़ा सबक है जो हर असहमति की आवाज को दबा देना चाहती हैं। लोकतंत्र की असली ताकत निरंतर संवाद में है, दमन में नहीं, और युवाओं का विरोध इसी स्वस्थ संवाद की मांग करता है।

आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

यह दृष्टिकोण संघ की पारंपरिक छवि से अलग और प्रगतिशील है। संघ प्रमुख का यह मानना कि समस्याओं या असंतोष का समाधान बल या उपेक्षा से नहीं हो सकता, आज के समय की सबसे बड़ी नीतिगत जरूरत है। जब छात्र किसी नीति पर अपनी चिंताएं जताते हैं, तो प्रशासन या समाज को उनके साथ एक मेंटर की तरह व्यवहार करना चाहिए, न कि किसी क्रूर शासक की तरह। उनके तर्कों को संवेदनशीलता से सुनना और उनकी आशंकाओं को दूर करना ही उनके असंतोष को शांत करने का एकमात्र सर्वमान्य उपाय है।

आज का भारतीय समाज वैचारिक रूप से अत्यधिक ध्रुवीकृत है। दक्षिणपंथ और वामपंथ के बीच की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि मध्यमार्ग गायब सा दिखता है। ऐसे माहौल में संघ प्रमुख का यह बयान एक पुल का काम करता है। यह संदेश उन युवाओं तक भी एक सकारात्मक प्रतिध्वनि के रूप में पहुंचता है जो संघ को हमेशा एक अत्यंत पुरातनपंथी संस्था के रूप में देखते आए हैं। जब वे देखते हैं कि संघ का सर्वोच्च नेता उनके विरोध करने के अधिकार और उनकी तार्किकता का सम्मान कर रहा है, तो वैचारिक कट्टरता की दीवारें कमजोर होती हैं।

फोकस

■ -डॉ. मनोज जैन

संवाद, संयम और समय की आवश्यकता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में एक बहुचर्चित उक्ति है- 'संघ कुछ करेगा नहीं, स्वयंसेवक कुछ छोड़ेगा नहीं।' पहली दृष्टि में यह वाक्य विरोधाभासी प्रतीत हो सकता है, किंतु संघ के कार्य-दर्शन को समझने वाले जानते हैं कि इसका आशय बिल्कुल भिन्न है। इसका अर्थ यह है कि संघ स्वयं प्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक सामाजिक या राजनीतिक विषय में हस्तक्षेप करने के बजाय ऐसे स्वयंसेवकों का निर्माण करता है, जो राष्ट्र और समाज के हित में अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएँ। यही कारण है कि संघ को केवल उसकी शाखाओं से नहीं, बल्कि उसके स्वयंसेवकों के सामाजिक आचरण से भी पहचाना जाता है।

मैं स्वयं भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक हूँ। इसलिए मेरा यह विश्वास है कि राष्ट्रभक्ति और लोकतंत्र परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। लोकतंत्र केवल मतदान की व्यवस्था नहीं है; वह संवाद, असहमति, सहिष्णुता और जनभावनाओं के सम्मान का भी नाम है। यदि समाज के किसी वर्ग को अपनी बात कहने का अवसर ही न मिले, तो लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ अधूरा रह जाता है।

हाल के दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी तथा झेन जी से जुड़े घटनाक्रम के दौरान सोशल मीडिया पर जिस प्रकार का वातावरण बना, उसने मुझे गंभीरता से सोचने के लिए विवश किया। आंदोलन के विरोध में अनेक लोगों ने इतनी तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की कि संवाद की संभावना ही पीछे छूटती दिखाई दी। ऐसा लगा मानो किसी वैचारिक मतभेद को तुरंत वैचारिक युद्ध में बदल दिया गया हो। यह प्रवृत्ति केवल एक पक्ष के लिए नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक वातावरण के लिए चिंता का विषय है।

मेरा मानना है कि यदि कोई आंदोलन संविधान और कानून की मर्यादा के भीतर रहकर अपनी बात रख रहा है, तो शासन और समाज-दोनों का दायित्व है कि पहले उसे धैर्यपूर्वक सुनें। हर असहमति को राष्ट्रविरोध या वैचारिक शत्रुता का प्रतीक मान लेना उचित नहीं है। लोकतंत्र में छोटे-छोटे जनआंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था को सचेत करने के लिए होते हैं। वे लोकतंत्र के 'सेफ्टी वाल्व' की तरह कार्य करते हैं। यदि इन वाल्वों को समय पर खुलने दिया जाए, तो व्यवस्था पर अनावश्यक दबाव नहीं बनता। लेकिन यदि हर आवाज़ को दबाने या उपहास का विषय बनाने का प्रयास होगा, तो असंतोष भीतर ही भीतर बढ़ता रहेगा।

उसी समय मेरा भी यह मत था कि सोशल मीडिया पर त्वरित और आक्रामक प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ संयम रखा जाना चाहिए था। परिस्थितियों को परिपक्व होने का अवसर दिया जाना चाहिए था। शासन को भी संवाद का समय मिलना चाहिए था और आंदोलन से जुड़े लोगों को भी अपनी बात स्पष्ट करने का अवसर मिलना चाहिए था। अनेक बार धैर्य, समय और संवाद वह समाधान निकाल देते हैं, जिन्हें आरोप-प्रत्यारोप कभी नहीं निकाल पाते।

बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत द्वारा मुंबई में झेन जी से किया गया संवाद इस बात का महत्वपूर्ण संकेत है कि अंततः समाधान का मार्ग संवाद से ही निकलता है। संवाद का अर्थ अपने विचारों का परित्याग नहीं होता, बल्कि दूसरे के दृष्टिकोण को सुनने और समझने की उदारता होता है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर ही यही रहा है-वाद से अधिक संवाद।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सबसे बड़ी शक्ति भी यही है कि उसके मूल विचार स्थिर रहते हैं, किंतु उनकी अभिव्यक्ति समय के अनुरूप विकसित होती रहती है। आज का संघ केवल शाखाओं तक सीमित नहीं है। सेवा, शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, युवा जागरण, आपदा राहत, बौद्धिक विमर्श और समाज के विविध वर्गों से सतत संवाद–ये सभी उसके विस्तृत स्वरूप का हिस्सा बन चुके हैं। समय के साथ गणवेश में परिवर्तन हुआ, संवाद के नए माध्यम जुड़े, कार्य का विस्तार हुआ, लेकिन राष्ट्र प्रथम का विचार आज भी उसी दृढ़ता से उसके केंद्र में है।

यह किसी भी जीवंत संगठन की पहचान होती है कि वह अपने मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को अभिव्यक्त करता रहे। परिवर्तन यदि मूल विचारों में हो तो वह विचलन है, लेकिन यदि परिवर्तन अभिव्यक्ति के माध्यमों में हो तो वह संगठन की जीवंतता का प्रमाण है। यही कारण है कि आज संघ समाज के अधिक व्यापक वर्गों तक पहुँच बना सका है।

आज सोशल मीडिया ने विचारों के आदान-प्रदान को सरल बनाया है, लेकिन उसी के साथ त्वरित प्रतिक्रियाओं और भावनात्मक ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। ऐसे समय में प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक सामाजिक कार्यकर्ता और प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है कि वह प्रतिक्रिया देने से पहले परिस्थिति को समझे, तथ्यों को परखे और संवाद के द्वार बंद न होने दे। विचारों की दृढ़ता का अर्थ कटुता नहीं होता और असहमति का अर्थ शत्रुता नहीं होता।भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में है। यहाँ मतभेद भी हैं, अनेक विचारधाराएँ भी हैं और अनेक सामाजिक समूह भी।

विश्व शेर दिवस दुनिया में शेरों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है...

विश्व शेर दिवस आज

■ -दयानिधि

कहां रहते हैं शेर, संकट ग्रस्त जानवरों की कितनी है संख्या

हर साल 10 अगस्त को शेरों के सम्मान में विश्व शेर दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन दुनिया में शेरों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। शेर अपनी ताकत और भव्यता से हमें आकर्षित करते हैं, लेकिन आवास की कमी, मानव-वन्यजीव संघर्ष और अवैध शिकार जैसे विभिन्न खतरों के कारण उनकी आबादी कम होती जा रही है। यह दिन हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में शेरों की महत्वपूर्ण भूमिका और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी सुरक्षा अहम है।

शेर सबसे बड़े शिकारी हैं, जो पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। शाकाहारी जानवरों की आबादी को नियंत्रित करके, वे जंगलों और घास के मैदानों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हैं। यह संतुलन जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विभिन्न प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, शेर सबसे कमजोर को निशाना बनाकर शिकार आबादी के भीतर बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करते हैं, इस तरह वे एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हैं।

भारत में शेरों का संरक्षण सांस्कृतिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है। शेर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का एक अभिन्न अंग है, जो शक्ति और ताकत का प्रतीक है। यह प्रतीक सभी भारतीय मुद्रा और आधिकारिक दस्तावेजों पर दिखाई देता है, जो भारतीय विरासत में शेर के महत्व को सामने लाता है। भारत एशियाई शेरों का घर है, जो केवल गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया है।

गुजरात में शेरों की संख्या और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित रूप से गणना की जाती है। इसके अलावा आग प्रबंधन, बाढ़ की तैयारी और निरंतर वन्यजीव निगरानी जैसे उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि शेरों के पास सुरक्षित आवास हों और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाए।

अप्रैल 2023 में शुरू किया गया, इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (आईबीसीए) दुनिया भर में शेरों सहित बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है।

बात आपके काम की...

पढ़ाई के साथ खेल भी जरुरी

पढ़ाई के साथ ही खेल भी जीवन के लिए जरुरी है। इसके बिना बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए बच्चों के खेल खेलना बहुत ही जरुरी है। अगर आपके बच्चे किसी तरह का खेल नहीं खेलेंगे तो बच्चो के शरीर की विकास अच्छी तरह से नही होगा न ही वह सक्रिय रहेगे। ऐसे में बच्चो को मोटापा भी नही आता। एक पालक होने के नाते आपको यह जानना आवश्यक है कि बच्चों के जीवन में खेल के क्या फायदे हैं। अगर आप बच्चों को उनके बचपन में खेलने से रोक रहे हैं तो वास्तव में आप उनका बचपन उनसे छीन रहे हैं। आजकल बहुत से स्कूलों में तो बच्चो के लिए खेलने के मैदान ही नही होते। ऐसे में आपको चाहिए कि अपने बच्चे को स्कूल के बाद खेलने के लिए भेजे। इस तरह से आप अधिक अच्छे पालक बन सकते हैं।जब आपका बच्चा खेलों में भाग लेता है तो उनमें सामाजिक कौशल का बहुत अच्छा विकास होता है। खेलों के दौरान आपका बच्चा अन्य बच्चों से मिलता है और उनसे बातचीत करता है। यह उसके समाजिक कौशल के विकास में सहायक होता है।

आप भी आमंत्रित | सम्पादकीय पेज पर आप भी आमंत्रित हैं। आप अपने विचार इस पेज के जरिए अभिव्यक्त कर सकते हैं। अपने विचार-लेख, रचनाएं, पत्र हमें इस ईमेल पर भेजें- ajaybharatmorena@gmail.com

संपादकीय पेज पर प्रकाशित सामग्री पर संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने फहराया तिरंगा टीटी नगर स्टेडियम से निकली भव्य यात्रा

'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत

भोपाल।अजयभारत न्यूज

राजधानी में 9 अगस्त की सुबह पूरी तरह देशभक्ति के रंगों में रंगी नजर आई। मौसम की बेरुखी और झमाझम बारिश भी युवाओं के हौसले को नहीं डिगा पाई। सैकड़ों की संख्या में जोश से भरे युवाओं ने टीटी नगर स्टेडियम से एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली और 'राष्ट्र सर्वोपरि' का संदेश दिया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करना था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस तिरंगा यात्रा का औपचारिक शुभारंभ किया और मंच पर तिरंगा लहराकर युवाओं के भीतर देशभक्ति का नया जोश भर दिया। तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर तिरंगा फहराकर राज्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान का भी शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम ने कहा किप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज पूरे देश में यह अभियान छेड़ा गया है। साल 1942 के महात्मा गांधी के ऐतिहासिक असहयोग और 'भारत छोड़ो' आंदोलन की तर्ज पर आज देश के सभी राज्यों में देशभक्त नागरिक एक साथ तिरंगा यात्राएं निकाल रहे हैं। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि आज मौसम भी जैसे इन देशभक्त वीरों का स्वागत कर रहा है।

क्रांतिकारियों के लंबे संघर्ष का परिणाम है स्वतंत्रता

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 9 अगस्त 1942 के इतिहास को याद किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आंदोलन ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, लंबे संघर्ष और अहिंसक आंदोलनों के कारण उठे जन-ज्वार का ही परिणाम था कि महज 5 साल बाद देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि इस लंबे संघर्ष के बाद मिली आजादी के इस बार 15 अगस्त को 80 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं।

आजीवन देश सेवा का संकल्प

सीएम ने युवाओं से अपील की कि वे देश की प्रगति के लिए आजीवन समर्पित रहने का संकल्प लें।

वसुधैव कुटुंबकम का मार्ग

भारत की प्राचीन संस्कृति और 'वसुधैव कुटुंबकम' के सिद्धांतों पर आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

व्यापक सहभागिता

इस तिरंगा यात्रा और अभियान में युवा, बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सभी ने बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी दर्ज कराई।

अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें नागरिक

''हम सभी परमात्मा से कामना करें और सभी शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करें। हम अपने सर्वहारा वर्ग और देश के नागरिकों के साथ मिलकर आजादी का पर्व मनाएं और अपने उत्तरदायित्वों का पालन करें'' डॉ. मोहन यादव,मुख्यमंत्री।

रक्षाबंधन मेले के अवसर पर लता गुप्ता का नागरिक सम्मान

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर, बोलीं–मुरैना की बेटी होने पर गर्व है

मुरैना।अजयभारत न्यूज

अग्रवाल संघ मुरैना द्वारा गांधी मैरिज होम, गोपालपुरा में आयोजित तीन दिवसीय रक्षाबंधन मेला-2026 के तृतीय दिवस रविवार को भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्री रघुराज कंसाना ने की। अग्रवाल संघ के संरक्षक श्री महेश अग्रवाल एवं श्री माता प्रसाद अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्यजन मंचासीन रहे।

कार्यक्रम में अग्रवाल संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामदास बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिर्जेश गर्ग, महामंत्री राजेश मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री पवन गर्ग, महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती हेमा अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती माला गर्ग, संरक्षक श्रीमती प्रभा अग्रवाल, संरक्षक श्रीमती माधवी गोयल, कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला एवं संयोजक श्री राहुल गोयल उपस्थित रहे।

इसके साथ ही दिनेश अग्रवाल, श्रीमती प्रमिला अग्रवाल, श्रीमती कंचन बंसल, श्रीमती चंचल बंसल, माधव गोयल, श्री अशोक अग्रवाल (खोआ वाले), राजेंद्र अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, राकेश गुप्ता सहित अग्रवाल समाज के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक समारोह में उपस्थित रहे।

माल्यार्पण कर किया अतिथियों का स्वागत

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई। श्रीमती उर्मिला एवं संयोजक राहुल गोयल सहित पदाधिकारियों ने मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। स्वागत की श्रृंखला के बाद दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता का नागरिक सम्मान किया गया।

इसके अलावा वरिष्ठ पार्षद श्रीमती ऊषा बांदिल, श्रीमती निधि गुप्ता, दिनेश शर्मा, अरविंद भदौरिया, खाद्य समिति के सदस्य मुकेश जाटव तथा नगर विकास समिति के सदस्य एवं पूर्व पार्षद श्री राजेंद्र गोयल 'रज्जो' का भी शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

गिर्जेश गर्ग ने लता गुप्ता के जीवन पर डाला प्रकाश

सम्मान समारोह के दौरान अग्रवाल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गिर्जेश गर्ग ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती लता गुप्ता के जीवन एवं उनकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मुरैना में प्रारंभिक जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन तक श्रीमती लता गुप्ता ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई और महिलाओं के अधिकारों एवं सशक्तीकरण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समय की जरूरत : लता गुप्ता

मुख्य अतिथि श्रीमती लता गुप्ता ने अपने संबोधन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाओं का आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर होना बेहद आवश्यक है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार ग्रहण करने के बाद महिलाओं के सशक्तीकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की गईं, जिनका लाभ देशभर की महिलाओं को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अपनी मेहनत एवं प्रतिभा के दम पर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने अग्रवाल संघ द्वारा रक्षाबंधन मेले के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार, व्यापार एवं अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मंच उपलब्ध कराने की सराहना की।

मुरैना की बेटी होने पर गर्व

श्रीमती लता गुप्ता ने कहा कि उन्हें मुरैना की बेटी होने पर गर्व है। मुरैना से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है और यहां के लोगों द्वारा दिए गए स्नेह एवं सम्मान को वह हमेशा याद रखेंगी। उन्होंने नागरिक सम्मान के लिए अग्रवाल संघ एवं उपस्थित समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह के अंत में अग्रवाल संघ के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने श्रीमती लता गुप्ता को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आज श्रावण के दूसरे सोमवार पर भोलेनाथ को अर्पित करेंगे पवित्र जल

सौरों से गंगाजल लेकर पोरसा पहुंचे सैकड़ों कांवड़िए

पोरसा।अजयभारत न्यूज

श्रावण माह के दूसरे सोमवार को लेकर शहर पोरसा और आसपास के क्षेत्र में भगवान शिव की भक्ति का माहौल बना हुआ है। सैकड़ों कांवड़िए दूर-दराज से पवित्र गंगाजल लेकर पोरसा पहुंचे हैं। शिवभक्त सोमवार की सुबह अपने-अपने मनचाहे एवं चिन्हित भोले बाबा के मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से गंगाजल अर्पित करेंगे और भगवान शिव से सुख-समृद्धि, परिवार की खुशहाली तथा मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद मांगेंगे।

पोरसा के कई दर्जन कांवड़िए पवित्र गंगाजल लेने के लिए गुरुवार शाम करीब 5 बजे सौरों के लिए रवाना हुए थे। कांवड़िए देर रात करीब 2 बजे सौरों पहुंचे। शुक्रवार दोपहर लगभग 1 बजे पवित्र गंगाजल से कांवड़ भरकर शिवभक्त वापस पोरसा के लिए रवाना हुए। श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा करते हुए सौरों से शिकोहाबाद, बटेश्वर तथा उत्तर प्रदेश के नगरा घाट सहित विभिन्न मार्गों से होकर अपनी कांवड़ यात्रा पूरी की। रविवार दोपहर कांवड़िए पोरसा पहुंच गये।

यात्रा के दौरान शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। रास्ते भर 'हर-हर महादेव ', 'बोल बम' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष गूंजते रहे। कठिन यात्रा के बावजूद श्रद्धालुओं के चेहरे पर थकान के बजाय भगवान शिव के प्रति आस्था और भक्ति का भाव दिखाई दिया।

इन शिवभक्तों ने पूरी की कांवड़ यात्रा

पोरसा के कांवड़ियों में सोनू बंसल, रमन गर्ग, दीपू बंसल, सैंकी गुप्ता, मनोज नामदेव, भागीरथ, दिलीप, आकाश गोयल, आशीष गुप्ता, मोनू गुप्ता, विराट राजपूत, वरुण सिंह सहित अन्य शिवभक्त शामिल रहे। सभी कांवड़िए सोमवार को अपने-अपने चिन्हित महादेव मंदिरों में पहुंचकर पवित्र गंगाजल अर्पित करेंगे।

कांवड़ को पवित्रता और नियमों के साथ लाना माना जाता है महत्वपूर्ण

कांवड़ यात्रा में पवित्रता और अनुशासन का विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालु गंगाजल भरने से लेकर उसे भोलेनाथ को अर्पित करने तक कांवड़ की शुचिता बनाए रखने का प्रयास करते हैं। कांवड़ को जमीन पर रखने से बचना, जल को अपवित्र न होने देना, यात्रा के दौरान संयम रखना और भगवान शिव का स्मरण करते हुए यात्रा करना धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। कांवड़ यात्रा केवल व्यक्तिगत आस्था की यात्रा नहीं, बल्कि संयम, सेवा, त्याग और श्रद्धा का संदेश भी देती है। शिवभक्त रास्ते में एक-दूसरे की सहायता करते हुए आगे बढ़ते हैं। यही भावना भगवान शिव के प्रति भक्ति के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे को भी मजबूत करती है।

भोलेनाथ को गंगाजल चढ़ाने का क्या है महत्व?

श्रावण मास में भगवान शिव को गंगाजल अर्पित करने की परंपरा अत्यंत प्राचीन और श्रद्धा से जुड़ी हुई है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने मां गंगा को अपनी जटाओं में धारण कर पृथ्वी पर गंगा के अवतरण को संभव बनाया था। इसी कारण गंगा जल को भगवान शिव की पूजा में विशेष पवित्र माना जाता है। श्रावण सोमवार के दिन शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित कर श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। भक्तों का विश्वास है कि श्रद्धा और विधि-विधान से किया गया जलाभिषेक मन को शांति प्रदान करता है तथा भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

खास खबर — मेडिसिन अपडेट चंबल 2026' का सफल आयोजन

चंबल अंचल के 150 से अधिक चिकित्सकों ने की सहभागिता

मुरैना।अजयभारत न्यूज

रविवार को आयोजित एकदिवसीय वैज्ञानिक सम्मेलन 'मेडिसिन अपडेट चंबल 2026' का सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन में चंबल अंचल सहित ग्वालियर, भिण्ड, शिवपुरी, दतिया एवं आसपास के क्षेत्रों से 150 से अधिक चिकित्सकों ने सहभागिता की। प्रदेशभर से आए वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चिकित्सा विज्ञान के नवीन शोध, साक्ष्य-आधारित उपचार, आधुनिक तकनीकों एवं व्यावहारिक चिकित्सा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में ग्वालियर डीआईजी डॉ. असित यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष (Organising Chairman) डॉ. विवेक राठी ने कहा कि 'मेडिसिन अपडेट चंबल' का प्रमुख उद्देश्य चंबल अंचल के चिकित्सकों को एक ऐसा सशक्त अकादमिक मंच उपलब्ध कराना है, जहां देश-प्रदेश के विशेषज्ञों से नवीनतम चिकित्सा ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभवों का सीधा आदान-प्रदान हो सके। उन्होंने सम्मेलन में बड़ी संख्या में पहुंचे चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण भोपाल के प्रो. डॉ. नर्मदा पटेल का 'Healthy India Mission 2047' पर व्याख्यान रहा। उन्होंने वर्ष 2047 तक स्वस्थ भारत के निर्माण में मधुमेह एवं अन्य जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम, जन-जागरूकता, शीघ्र पहचान और चिकित्सकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

वैज्ञानिक सत्रों में डॉ. प्रॉमिस जैन एवं डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव के बीच 'Low Carbohydrate Diet बनाम Low Calorie Diet' विषय पर रोचक वैज्ञानिक बहस विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। दोनों विशेषज्ञों ने मोटापा एवं मेटाबॉलिक रोगों के प्रबंधन में आहार की भूमिका पर वैज्ञानिक तथ्यों एवं व्यावहारिक अनुभवों के आधार पर अपने-अपने पक्ष रखे।

डॉ. मयूर अग्रवाल ने थायरॉइड विकारों की पहचान एवं आधुनिक उपचार पर महत्वपूर्ण जानकारी दी, जबकि डॉ. नवनीत अग्रवाल ने गर्भावस्था में होने वाले मधुमेह (Gestational Diabetes) की समय पर पहचान एवं प्रभावी प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

प्रो. डॉ. पुनीत रस्तोगी ने ईसीजी के माध्यम से हृदय रोगों की पहचान पर अत्यंत उपयोगी एवं व्यावहारिक सत्र लिया। उन्होंने बताया कि सामान्य चिकित्सकीय प्रैक्टिस में ईसीजी के महत्वपूर्ण संकेतों को समझकर गंभीर हृदय रोगों की समय रहते पहचान किस प्रकार की जा सकती है।

न्यूरोलॉजी सत्र में प्रो. डॉ. दिनेश उदैनिया ने 'Approach to Movement Disorders' विषय पर विभिन्न मूवमेंट डिसऑर्डर्स की पहचान एवं उपचार की व्यावहारिक जानकारी साझा की।

कार्डियोलॉजी सत्र में डॉ. वैभव बंडिल ने 'Evidence-Based Pharmacological Management' पर नवीन वैज्ञानिक प्रमाणों के आधार पर उपचार रणनीतियों की चर्चा की। वहीं डॉ. विवेक रंजन ने Minimally Invasive Cardiac Surgery की आधुनिक तकनीकों, लाभ एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

नेफ्रोलॉजी सत्र में डॉ. रोहित खंडेलवाल ने 'Basics of Nephrology' पर व्याख्यान देते हुए सामान्य चिकित्सकीय प्रैक्टिस में किडनी रोगों की प्रारंभिक पहचान, जांच एवं प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया।

सम्मेलन के संरक्षक डॉ. मुनीश गुप्ता एवं डॉ. के. के. गुप्ता, आयोजन सचिव डॉ. राघवेंद्र यादव एवं डॉ. योगेश तिवारी तथा वैज्ञानिक सचिव डॉ. आदित्य पंजाबी सहित आयोजन समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में प्रदेश के अनेक वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों की सहभागिता रही तथा प्रत्येक वैज्ञानिक सत्र के बाद चिकित्सकों और विशेषज्ञों के बीच प्रश्नोत्तर एवं सार्थक संवाद हुआ।

आयोजन समिति ने बताया कि 150 से अधिक चिकित्सकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने 'मेडिसिन अपडेट चंबल 2026' को चंबल अंचल में सतत चिकित्सा शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अकादमिक मंच बना दिया। सम्मेलन ने नवीन चिकित्सा ज्ञान को स्थानीय चिकित्सकों तक पहुंचाने के साथ-साथ विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान को भी नई दिशा प्रदान की।आईएमए मुरैना के तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन में चंबल अंचल सहित ग्वालियर, भिण्ड, शिवपुरी, दतिया एवं आसपास के क्षेत्रों से 150 से अधिक चिकित्सकों ने सहभागिता की। प्रदेशभर से आए वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने चिकित्सा विज्ञान के नवीन शोध, साक्ष्य-आधारित उपचार, आधुनिक तकनीकों एवं व्यावहारिक चिकित्सा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव साझा किए।

दक्षिण मुरैना में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

सात मंडलों की कार्यकारिणियों का सम्मान समारोह संपन्न

मुरैना।अजयभारत न्यूज

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दक्षिण मुरैना द्वारा नव-नियुक्त सभी सात मंडलों की कार्यकारिणियों, समस्त वार्ड अध्यक्षों एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के सम्मान में सम्मान समारोह एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम रविवार को मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर के बंगले, चंबल कॉलोनी, मुरैना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दक्षिण मुरैना के अध्यक्ष आसिफ कुरैशी ने बताया कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से ब्लॉक के सभी 7 मंडलों एवं वार्डों की कार्यकारिणियों का गठन किया गया है। इसी क्रम में आज सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर उनका सम्मान किया गया तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष राजा दंडोतिया, हरीश सिकरवार, सुभाष सिकरवार, मधुराज सिंह तोमर, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र जाटव, जसवीर गुर्जर, राजेंद्र यादव, हरीश पाठक, विनोद शर्मा, रामस्वरूप कंवर, नरेश कारखुर, धर्मेंद्र गुर्जर, कुलदीप यादव सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया और संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। आसिफ कुरैशी ने कहा कि कांग्रेस संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। सभी सात मंडलों एवं वार्डों में कार्यकारिणियों के गठन के बाद अब संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि दक्षिण मुरैना में कांग्रेस संगठन को मजबूत, सक्रिय और एकजुट बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी वरिष्ठ नेताओं, नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस को बूथ और वार्ड स्तर तक मजबूत करने पर मंथन, जिला कार्यकारिणी की बैठक में बनी रणनीति

संगठन विस्तार, प्रभारियों की नियुक्ति और आगामी जनहित के कार्यक्रमों को लेकर पदाधिकारियों ने की विस्तृत चर्चा

भिंड। अजयभारत न्यूज

जिला कांग्रेस कमेटी भिंड शहर की जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान ब्लॉक एवं मंडल कमेटियों के गठन व विस्तार के साथ विभिन्न क्षेत्रों में प्रभारियों की नियुक्ति को लेकर भी रणनीति पर चर्चा हुई।

जिला कांग्रेस कमेटी भिंड शहर के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया 'पिंकी' ने बैठक को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत कार्यकर्ताओं से होती है, इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी देकर उसे जनता के बीच सक्रिय रूप से जोड़ा जाना जरूरी है।

बैठक में विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि कांग्रेस संगठन को बूथ एवं वार्ड स्तर तक मजबूत किया जाए। प्रत्येक क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की सक्रिय टीम तैयार करने, संगठन की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने और कार्यकर्ताओं को उनकी क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारियां सौंपने पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन के माध्यम से आम जनता से सीधे संवाद स्थापित किया जा सकेगा और स्थानीय समस्याओं को बेहतर तरीके से सामने लाया जा सकेगा। इसके साथ ही आगामी समय में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा पर भी विचार किया गया। नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा कि मजबूत संगठन ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने में सक्षम होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत, एकजुटता और निरंतर सक्रियता के बल पर कांग्रेस संगठन को भिंड शहर में और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करने और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनहित के मुद्दों और पार्टी की गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन को केवल चुनावी समय में नहीं, बल्कि निरंतर जनता के बीच सक्रिय रहना चाहिए। इसके लिए वार्ड एवं बूथ स्तर पर नियमित संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। बैठक में डॉ. राधेश्याम शर्मा, रामहर्ष सिंह, संदीप मिश्रा, संतोष त्रिपाठी, बृजेंद्र सिंह भदौरिया, मुन्ना, रामजी लाल शाक्य, रेखा भदौरिया, मनीष पुरोहित, मुकेश गर्ग, शैलेंद्र सिंह भदौरिया, दर्शन सिंह तोमर, प्रमोद दीक्षित, पीसी, सत्येंद्र भदौरिया, अंकित तोमर, रामहेत शाक्य, जाहिद खान, आनंद, शांति स्वरूप शाक्य, दीपू दुबे, नयन सिंह, सुनील वर्मा, सोहन तिवारी, मोहम्मद इरफान गामू, संजीव बरुआ, हरनारायण शर्मा, अहिवरण सिंह बघेल, राजेंद्र यादव, रविंद्र सिंह तोमर, ऋषिकेश शाक्य, नरेंद्र शाक्य, शिवशंकर भदौरिया, बिरजू यादव, सैयद शाहिद अली, वकील खान, सलमान खान, अरविंद यादव, हरिओम शाक्य, शहजाद बरकाती, छोटू जोशी सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य, ब्लॉक एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ता तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

दो साल से फरार गांजा तस्करी के आरोपी को गोहद चौराहा पुलिस ने उड़ीसा से दबोचा

82.174 किलो गांजा बरामदगी के मामले में थी तलाश

वारदात में इस्तेमाल क्रेटा कार भी जब्त; तीन अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी

भिंड। अजयभारत न्यूज

गोहद चौराहा थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए एनडीपीएस एक्ट के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहे आरोपी को उड़ीसा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त क्रेटा कार भी जब्त की है। मामले में फरार चल रहे तीन अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस टीम द्वारा लगातार की जा रही है।

पुलिस के अनुसार 9 जून 2024 को गोहद चौराहा थाना पुलिस द्वारा थाने के सामने भिंड-ग्वालियर हाईवे पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार आरोपियों के कब्जे से 82.174 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ था। मामले में पुलिस ने थाना गोहद चौराहा में अपराध क्रमांक 168/24, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान प्रकरण में शामिल कुछ आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भिंड सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गोहद महेन्द्र गौतम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोहद चौराहा द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने प्रकरण की विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के साथ अन्य उपलब्ध साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया। जांच के दौरान मिले महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर पुलिस टीम आरोपी की तलाश में रायगढ़ जिला नौरंगपुर, उड़ीसा पहुंची। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 8 अगस्त 2026 को फरार आरोपी को उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस सेवादल ने निकाली तिरंगा यात्रा

शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि देकर शुरू हुई यात्रा, गांधी मार्केट में महात्मा गांधी को अर्पित किए पुष्प

भिंड। अजयभारत न्यूज

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने किया, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए।

कार्यक्रम की शुरुआत माधोगंज हाट स्थित किला रोड पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता तिरंगा हाथों में लेकर वंदे मातरम् और भारत माता की जय के जयघोष के साथ यात्रा में शामिल हुए। तिरंगा यात्रा किला रोड, गायत्री नगर और बजरिया होते हुए गोल मार्केट स्थित गांधी मार्केट पहुंची, जहां कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही यात्रा का समापन हुआ। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने कहा कि लाखों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान के बाद देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया था। आज इसकी 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर कांग्रेस सेवादल ने देश को सांप्रदायिकता, भ्रष्टाचार, जातिवाद और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्त कराने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में शैलेन्द्र भदौरिया, विवेक पचौरी, कल्लू भारौली, महेश जाटव, हरनारायण शर्मा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष शांति कुशवाह, दीपू दुबे, मनीष शिवहरे, राजवीर खन्ना, अजय जैन, शिवम त्रिपाठी, दर्शन तोमर, अरविंद यादव, मुन्ना भदौरिया, मनीष पुरोहित, पंकज त्रिपाठी, आशीष भारद्वाज, गोलू नामदेव, हिम्मत सिंह हरिऔध, विवेक जामोर, हाजी हलीमुद्दीन, धर्मेंद्र परासर, ब्रजेश मौर्य, मनोज जैन मामा, वकील खान, कमलेश जाटव, रामहेत शासकीय, वेदप्रकाश कांकर, रामजीलाल शाक्य, अशोक इंदौरिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियानः विधायक देवेंद्र जैन ने विभिन्न ग्रामों का किया सघन भ्रमण, बांटे तिरंगे और सुनीं जनसमस्याएं

शिवपुरी। अजयभारतन न्यूज

आगामी स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर को दृष्टिगत रखते हुए अंचल में 'हर घर तिरंगा' अभियान ने जोर पकड़ लिया है। राष्ट्रीय पर्व को जन-जन का उत्सव बनाने के उद्देश्य से शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री देवेंद्र जैन ने अपने क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए और उनसे अपने-अपने घरों पर सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

ग्रामीण अंचलों में दिखा देशभक्ति का उत्साहः विधायक देवेंद्र जैन ने शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नावली, पुनावली, चंदावनी, दुर्गापुर, बशनपुर, नागुली एवं उमरी का मैदानी भ्रमण किया। गांव-गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने अपने विधायक का आत्मीय स्वागत किया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत विधायक ने स्वयं लोगों को तिरंगे सौंपे और उन्हें देशभक्ति के इस महापर्व में उत्साहपूर्वक भागीदार बनने के लिए प्रेरित किया।

जनसंवाद कर सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निर्देशः तिरंगा वितरण के साथ-साथ इस भ्रमण का एक प्रमुख उद्देश्य जनता से सीधा संवाद स्थापित करना भी था। विधायक श्री जैन ने क्षेत्रवासियों के बीच बैठकर उनकी मूलभूत समस्याएं तसल्ली से सुनीं। बिजली, पानी, सडक़ और अन्य स्थानीय मुद्दों पर ग्रामीणों ने अपनी बात रखी। समस्याओं की गंभीरता को देखते हुए विधायक ने मौके से ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर संपर्क किया और जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लेटलतीफी या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपने जनप्रतिनिधि को सीधा अपने द्वार पर पाकर और समस्याओं के तत्काल निराकरण की पहल होते देख ग्रामीणों में खासा उत्साह और संतोष देखा गया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विधायक द्वारा किए गए इस जनसंवाद से क्षेत्र के विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

सेवानिवृत फौजी की पुत्री का शासकीय सेवा में चयन, समाजजनों ने जताया हर्ष

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

वरिष्ठ समाजसेवी एवं संरक्षक, परमआदरणीय हरगोविंद ओझा (सेवानिवृत, भारतीय सेना) की सुपुत्री कु. अंजू ओझा का चयन मध्य प्रदेश शासन में ग्रेड-2 संगीत शिक्षिका के पद पर हुआ है। बिटिया ने अपने कठिन परिश्रम,लगन और प्रतिभा से न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे झा / ओझा समाज को भी गौरवान्वित किया है। इस ऐतिहासिक उपलबिध पर ओझा समाज युवक मंडल, मध्य प्रदेश (पंजी.) संगठन की ओर से भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित कर कु. अंजू ओझा, हरगोविंद ओझा (सेवानिवृत, भारतीय सेना) का दीप-प्रज्ज्वलन, पुष्पमाला, तिलक एवं मिठाई से सम मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारीगण रामगोपाल ओझा वरिष्ठ संरक्षक एवं निःशुल्क विवाह सममेलन उपाध्यक्ष, बबलेश (राज) ओझा प्रदेश अध्यक्ष,मनोज ओझा प्रदेश उपाध्यक्ष, सुषमा ओझा महिला मातृशक्ति प्रदेश कोषाध्यक्ष, नंदकिशोर ओझा प्रदेश कोषाध्यक्ष, रविंद्र ओझा प्रदेश संगठन मंत्री, गोविंद ओझा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य,टिंकल झा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य,एडवोकेट कृष्णकांत झा प्रदेश सचिव सहित संगठन परिवार की ओर से बिटिया के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं एवं हार्दिक बधाई दी गई और परिजनों का भी स्वागत किया गया।

माता जानकी प्राकट्योत्सव दिवस घोषित करने की मांग को लेकर जानकी सेना की पदयात्रा 11 अगस्त को

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

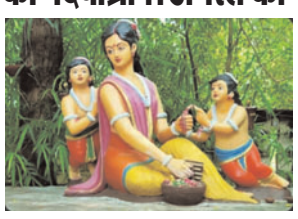

अनेकों सेवा प्रकल्पों और दुनिया का सबसे बड़ा सुंदर कांड करने के बाद एकदम चर्चा में आये अंतर्राष्ट्रीय जानकी सेना संगठन ने इस बार माता जानकी प्राकट्य उत्सव शासकीय स्तर पर घोषित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम मांग पत्र और ईमेल के बाद अब शिवपुरी शहर में प्रथम पद यात्रा का आयोजन किया है। संगठन द्वारा की जा रही इस शाश्वत मांग का उद्देश्य लोगों को माता जानकी के चरित्र से अवगत कराने के साथ ही संगठन से जोडना भी है जिससे समाज में बेटियों और महिलाओं को लेकर जो विसंगतिया फैल रही है उनमें कसावट की जा सके, और एक समृद्ध समाज की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया जा सके। यह पदयात्रा शहर के पोलो ग्राउंड के सामने स्थित मां जानकी लव कुश पार्क से प्रारंभ होकर कोर्ट रोड, माधव चौक चौराहा, गुरुद्वारा चौराहा, राजपुरा रोड, तात्या तोपे मार्ग, पोलो ग्राउंड से होते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पर समापन होगी जहां पर जिला कलेक्टर को एक मांग पत्र ज्ञापन सौपा जाएगा, यह ज्ञापन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल जी के नाम दिया जाएगा। ज्ञापन का समय दोपहर 1:00 बजे रखा गया है। जिसमें शामिल होने के लिए शिवपुरी शहर इकाई के लोग ही एकत्रित होंगे। इसके अलावा लगभग 200 इकाइयों में अलग-अलग पदयात्राएं निकालकर प्रशासन को मांग पत्र ज्ञापन सौपे जाने की तैयारी की गयी है। जिले भर के अलावा सभी जानकी सैनिकों और सनातनियों से आग्रह किया गया है कि वह अपने क्षेत्र में निकल रही पदयात्रा में शामिल होकर मांग को पुरजोर बनाएं और माता जानकी के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा को बल मिले।

खास खबर हैप्पीडेज स्कूल की छात्र परिषद का वार्षिक अलंकरण समारोह

शिवम यादव हैडबॉय तो काजल यादव बनीं हैडगर्ल

शिवपुरी। अजयभारत न्यूज

शहर के एबी रोड़ स्थित हैप्पीडेज हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्र परिषद का वार्षिक अलंकरण समारोह विद्यालय संचालिका श्रीमती गीता दीवान और विद्यालय प्राचार्य विनय श्रीवास्तव के आतिथ्य में संपन्न हुआ। हैप्पीडेज स्कूल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट से गिर्राज शर्मा ने बताया कि विद्यालय द्वारा इस अवसर पर 22 सदस्यीय स्टूडेंट काउंसिल का गठन किया गया। इस अवसर पर सभी काउंसिल मेंबर को बैठे एवं शैशे पहनाकर अतिथि के द्वारा अलंकृत किया गया।

विद्यालय के कक्षा 12वीं के छात्र शिवम यादव को हेडबॉय एवं काजल यादव को हैडगर्ल चुना गया। स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में अयान खान एवं जूनियर स्पोर्ट्स कैप्टन युवराज धाकड़ का चयन किया गया जबकि वंशिका व्यास एवं निहाल सोनी को एकिटविटी कैप्टेन की जिम्मेदारी सौंपी गई। विद्यालयीन गतिविधियों को पांच हाउस के माध्यम से संचालित किया जाता है, हाउस कैप्टन के रूप में गंगा हाउस से आकाश पाल, गोदावरी हाउस से कृष्णा सिकरवार , कावेरी हाउस से शिवम रावत, नर्मदा हाउस से झलक यादव, और यमुना हाउस से वरुण गौर का चयन कर अतिथियों के द्वारा बेजेस प्रदान किए गए। इस चयन प्रक्रिया में स्कूल के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा जिसमें नियमितता, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं कार्यकुशलता इत्यादि को ध्यान में रखकर उनका आकलन किया गया। सभी हाउस कैप्टन, हेडबॉय, हेड गर्ल, स्पोर्ट्स कैप्टन और एकिटविटी कैप्टन ने अपने-अपने ध्वज के साथ एवं ड्रम की बीट पर शानदार तरीके से कदमताल करते हुए मार्च पास्ट का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल डायरेक्टर श्रीमती गीता दीवान के द्वारा सभी काउंसिल मेंबर को पद एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। समारोह का समापन विद्यालय प्राचार्य के उत्साहपूर्ण भाषण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में बैंड की शानदार प्रस्तुति विद्यालय के छात्र देव घोसी , राघव गुप्ता, कान्हा शर्मा, उज्जवल शिवहरे और हरसुल धाकड़ के द्वारा दी गई। एन सी सी कैडेट कमरजोत सिंह और राहुल यादव का इस समारोह में विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक / शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जागरूकता वाहन को एसडीएम पोहरी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शिवपुरी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ मौसम 2026 में अधिक से अधिक किसानों को योजना से जोडने और प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एसडीएम पोहरी श्री जे.पी.गुप्ता ने गुरूवार को एसडीएम ऑफिस परिसर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन विकासखंड पोहरी की ग्राम पंचायतों एवं गावों में भ्रमण कर किसानों को योजना की विस्तृत जानकारी उपलबध कराएगा तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर फसल बीमा कराने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर एसडीएम पोहरी जे.पी.गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए प्राकृतिक जोखिमों से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जागरूकता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए प्रत्येक पात्र किसान तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराएं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ मौसम 2026 की अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15अगस्त 2026 कर दी गई है। पूर्व में यह तिथि 31 जुलाई निर्धारित थी। मध्यप्रदेश शासन ने अलनीनो के प्रभाव से संभावित प्रतिकूल मौसम एवं फसल नुकसान की आशंका को देखते हुए किसानों की सुविधा के लिए बीमा अवधि में वृद्धि की है।

टी टी नगर रहवासी सहकारी संस्था की 17 अगस्त को होगी विशेष साधारण सभा

शिवपुरी। टी.टी. नगर रहवासी सहकारी संस्था मर्यादित, शिवपुरी की विशेष साधारण सभा का आयोजन 17 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता रिटर्निंग अधिकारी द्वारा की जाएगी। यह सूचना मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम 49 ड(3) के अंतर्गत जारी की गई है। सभा में संस्था की उपविधि क्रमांक 14 के अनुसार संचालक मंडल के सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। संस्था प्रबंधन ने सभी सदस्यों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। सूचना के अनुसार चुनाव संबंधी संपूर्ण कार्यवाही रिटर्निंग अधिकारी द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होगी।

आज इन क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बंद रहेगा

शिवपुरी। मेंटीनेंस का कार्य किये जाने के कारण 33 के.व्ही. नोहरी एवं परिच्छा फीडर पर 10 अगस्त को उक्त फीडर से जुड़े समस्त क्षेत्रों का विद्युत प्रदाय बन्द रहेगा। उक्त 33 के.व्ही फीडरों के बंद रहने से प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र नोहरी से जुड़े समस्त क्षेत्र तथा 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र परिच्छा, राठखेड़ा एवं छर्च से जुड़े समस्त क्षेत्र एवं उच्चदाव उपभोक्ता प्रभावित रहेंगे।

थाना करैरा पुलिस द्वारा फरार स्थाई वारंटी को माननीय न्यायालय के समक्ष किया पेश

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में स्थाई/गिरफ्तारी वारन्ट तामीली के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देशों के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. डी. प्रजापति एवं एस.डी.ओ.पी. पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में करैरा पुलिस द्वारा सूचना पर दिनांक 08.08.2026 को माननीय न्यायालय जेएमएफसी महोदय करैरा के प्रकरण क्रमांक आर सी टी एवं धारा भादवि मे स्थाई वारंटी रविन्द्र पुत्र माखनलाल दुवे उम्र 38 साल निवासी मिश्रा कालोनी थाना कोतवाली जिला शिवपुरी को रेलवे स्टेशन के पास दतिया से गिरफ्तार किया गया। वारंटी को माननीय न्यायालय करैरा पेश किया गया जहां से उसे जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरी0 विनोद सिंह छावई, उनि चेतन शर्मा चौकी प्रभारी सुनारी, प्रआर डैनी कुमार, प्रआर रमाशंकर माझी, आर राधेश्याम जादौन, आर विकाश दुवे, आर गोविन्द रावत शामिल रहे।

शिवहरे समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं एवं वरिष्ठजनों का हुआ सम्मान

भिंड। शहर के संस्कृति मैरिज गार्डन में शिवहरे समाज जिला भिंड द्वारा कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह, मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान एवं वरिष्ठ बुजुर्गजनों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकता, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं समाज के पदाधिकारियों ने समाज के विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान शिवहरे समाज की आस्था एवं गौरव के प्रतीक भगवान सहस्त्रबाहु जी की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर समाजजनों के साथ चर्चा की गई। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने प्रतिमा स्थापना के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कहा कि समाज की एकता, संस्कार और शिक्षा को आगे बढ़ाने वाले आयोजन सदैव प्रेरणादायी होते हैं। शिवहरे समाज को संगठित होकर सामाजिक समरसता और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से भगवान सहस्त्रबाहु के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह का माला पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में विनोद शिवहरे, रामअवतार शिवहरे सहित शिवहरे समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाजजन, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा की मासिक बैठक में हर घर तिरंगा अभियान और बूथ सशक्तीकरण की बनी रणनीति

9 से 15 अगस्त तक मंडल स्तर पर निकलेगी तिरंगा यात्रा, शहीद स्मारकों की सफाई और सैनिक परिवारों के सम्मान का होगा आयोजन

भिंड। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार 9 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा अभियान, सामाजिक समरसता संकल्प यात्रा, बूथ सशक्तीकरण एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिला भिंड की मासिक बैठक रविवार को व्यापार मंडल धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ सशक्तीकरण, संगठन विस्तार, डिजिटल प्रशिक्षण अभियान तथा 9 से 15 अगस्त तक चलने वाले हर घर तिरंगा अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। भाजपा चंबल संभाग प्रभारी डॉ. अभय प्रताप सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य पार्टी के निर्देशों को धरातल तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 9 से 15 अगस्त तक जिले के प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी और अधिक से अधिक घरों पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा अभियान को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाया जाए और इसमें युवाओं एवं विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। कार्यकर्ताओं को तिरंगा फहराने के बाद अपनी सेल्फी संगठन ऐप पर अपलोड करने के लिए भी प्रेरित किया गया। डॉ. यादव ने कहा कि 'संगठन ही हमारी शक्ति है और बूथ ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मलखानपुरा बहुउत्पाद क्लस्टर में आयोजित हुआ वृक्षारोपण महोत्सव

कलेक्टर जांगिड़ ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र विस्तार का संदेश

मुरैना। अजय भारत न्यूज

एम.एस.एम.ई. विभाग के बहुउत्पाद क्लस्टर मलखानपुरा में रविवार को वृक्षारोपण महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन बटेश्वर इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाउंडेशन, ग्राम मलखानपुरा-मुरैना द्वारा किया गया।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने क्लस्टर परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार तथा पौधों के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज रोपे गए पौधे भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं संतुलित पर्यावरण की आधारशिला हैं।

वृक्षारोपण महोत्सव के दौरान क्लस्टर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, आयोजक संस्था के पदाधिकारियों एवं अन्य सहभागियों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर औद्योगिक परिसर को अधिक हरा-भरा एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में जीएमडीआईसी श्री अरविंद कुमार माहेश्वरी सहित एम.एस.एम.ई. विभाग एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के संबंधित अधिकारी तथा बटेश्वर इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ग्रामीणों को दिया बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश

पोरसा। अजय भारत न्यूज

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में ग्रामीण क्षेत्रों में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को बेटियों के महत्व, उनकी शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। यह जागरूकता कार्यक्रम संगीता थापक के मार्गदर्शन में ग्राम कौथर कला, कौथर खुर्द, गढ़िया पोरसा, मटियापुरा सहित अन्य स्थानों पर आयोजित किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने ग्रामीणों के बीच बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने और समाज में व्याप्त भेदभाव को दूर करने का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

'बेटी है तो कल है' का दिया संदेश

नुक्कड़ नाटक के दौरान बताया गया कि बेटी परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर है। बेटी है तो कल है। बेटियां केवल परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने वाली नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, खेल, विज्ञान, प्रशासन और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा के दम पर समाज एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को समझाया गया कि बेटियों और बेटों के बीच किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जिस प्रकार बेटों को शिक्षा और आगे बढ़ने के अवसर दिए जाते हैं, उसी प्रकार बेटियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है।

शिक्षा से मजबूत होगा बेटियों का भविष्य

जागरूकता कार्यक्रम में बताया गया कि बेटी की शिक्षा केवल एक व्यक्ति को शिक्षित करना नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को मजबूत बनाना है। शिक्षित बेटी अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर ढंग से समझने के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को बालिकाओं की शिक्षा को बीच में न रोकने, उन्हें विद्यालय भेजने तथा उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखने का संदेश दिया गया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया गया।

बेटियां दो परिवारों की बढ़ाती हैं शान

कार्यक्रम में कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह संदेश भी दिया कि बेटियां दो परिवारों की लाज और सम्मान को आगे बढ़ाती हैं। बेटियां अपने संस्कार, शिक्षा और प्रतिभा से माता-पिता का गौरव बढ़ाती हैं तथा समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर निगम मुरैना द्वारा 13 अगस्त को निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा रैली

शहर का प्रत्येक व्यक्ति तिरंगा यात्रा में अपनी सहभागिता कल तिरंगा यात्रा को सफल बनाएं : महापौर शारदा सोलंकी

मुरैना। अजय भारत न्यूज

हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर निगम मुरैना द्वारा भव्य तिरंगा रैली का आयोजन 13 अगस्त 2026 को दोपहर 3:00 बजे से मेला ग्राउण्ड से रैली का प्रारंभ किया जायेगा। तिरंगा यात्रा रैली नगर निगम महापौर शारदा राजेंद्र प्रसाद सोलंकी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित की जा रही है।

इस संबंध में महापौर शारदा सोलंकी ने महापौर बंगले पर सभी अधिकारी कर्मचारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश तिरंगा यात्रा रैली के संबंध में अधिकारी कर्मचारी को दिए महापौर ने शहर वासियों से अपील की है कि तिरंगा यात्रा रैली में अधिक से अधिक संख्या में में मेला ग्राउण्ड पहुंचकर रैली में सम्मिलित होकर तिरंगा यात्रा को सफल बनाएं तिरंगा रैली यात्रा मेला ग्राउण्ड से प्रारंभ होकर जीवाजी गंज गर्ल्स स्कूल रोड रेलवे स्टेशन होते हुए पंडित शहीद रामप्रसाद बिस्मिल स्मारक पर समाप्त होंगी।

रक्षा बंधन मेले में जया कलेक्शन पर आकर्षक कुर्तियां, गाउन बनीं महिलाओं की पसंद

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । रक्षा बंधन मेले में मुरैना शहर में स्थानीय गांधी मैरिज होम गोपालपुरा में 7,8,9एवं10 अगस्त को चार दिवसीय जया कलेक्शन पर आकर्षक दुकान सजाई गई है । जहां रक्षा बंधन मेले में महिलाओं के लिए आकर्षक कुर्तियां, कपड़े, गाउन, जींस और स्कार्फ मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। त्योहारी सीजन के कारण इन कपड़ों की दुकान पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के फैशन ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं। जया कलेक्शन पर हर उम्र के लोगों के लिए शानदार कपड़े, कुर्तियां, गाउन, जींस, पैंट और 3-पीस सेट देखिए। साथ ही बैग, स्कार्फ, मेकअप और अन्य एक्सेसरीज़ भी उपलब्ध हैं!

कांग्रेसियों ने युवा कांग्रेस का मनाया 66 वां स्थापना दिवस

जौरा। अजय भारत न्यूज

स्थानीय कांग्रेसियों ने राष्ट्रीय युवा कांग्रेस का 66 वां स्थापना दिवस मनाया गया । रविवार 9 अगस्त को गांधी वाचनालय में युवक कांग्रेस के 66वां स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व विधायक महेश मिश्रा ने कहा कि 1960 में श्रीमती इंदिरा गांधी जी के मार्गदर्शन में युवाओं को पार्टी में भागीदारी जोड़ने के लिए युवक कांग्रेस का गठन किया गया इसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय प्रियारंजन दासमुंशी को बनाया गया जिनके नेतृत्व में देश भर में युवाओं की कांग्रेस में भागीदारी सुनिश्चित की गई । उन्होंने यह भी कहा कि आज युवा कांग्रेस पार्टी की रीड है युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी को सफलताएं मिलती है । इसी अवसर पर शहर एवं ग्रामीण अध्यक्ष रामहेत त्यागी मुरारी लाल अमर ने अपनी बात के लिए कहा कि पार्टी का ग्राफ बढ़ाने में हमेशा युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता मेहनत रहती है उनकी मेहनत से ही विधायक और सांसद बनते हैं । इसी अवसर पर गांधीवाचनालय वाले झंडा चौक में ध्वजारोहण किया गया । युवक कांग्रेस अध्यक्ष शाहिद खान पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्रा राम हेतु त्यागी मुरारी लाल अमर ने ध्वजारोहण कर सलामी भी ली । युवक कांग्रेस की स्थापना दिवस के अवसर पर शहाबुद्दीन उस्मानी, जगदीश शुक्ला, मनुआ खान, प्रमोद शर्मा, पवन कटरी, दिनेश मित्तल, आबिद वेग, देवेंद्र कुमार वर्मा, विशंभर गर्ग, अरुण कुलश्रेष्ठ, जहूर अहमद खान, दिलीप जैन, विजय जैन, जैकी शाक्य, बनवारी लाल, मनोज कुमार, महेश जाटव दीपक यादव अभिषेक जैन शहाबुद्दीन मुन्ना मास्टर भी उपस्थित रहे ।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की सोमवार को मांस की दुकानें स्वेच्छा से बंद रखने की अपील

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । सावन के सभी सोमवार को मांस की दुकानें स्वेच्छा से बंद रखने की अपील। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष सूरज मिश्रा ने सभी मांस विक्रेताओं से विनम्र एवं भावपूर्ण अपील की है कि वे सावन माह के प्रत्येक सोमवार को अपनी दुकानें बंद रखें और भगवान शिव के श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था का सम्मान करें। सावन का प्रत्येक सोमवार आराधना, व्रत और पूजा का विशेष दिन होता है। ऐसे में, सभी व्यापारी सहयोग करें तो धार्मिक सद्भाव, सामाजिक समरसता और आपसी सम्मान का सकारात्मक संदेश जायेगा। वे जिले के सभी नागरिकों से भी अनुरोध करते हैं कि वे शांति, भाई-चारे और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। वे विश्वास व्यक्त करते हैं कि मुरैना के व्यापारी एवं नागरिक सदैव की तरह आपसी सद्भाव और सामाजिक सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस अपील पर सकारात्मक विचार करेंगे।

पोरसा सब्जी मंडी में एंबुलेंसों से प्याज की डिलीवरी का वीडियो वायरल, व्यवस्था पर उठे सवाल

पोरसा सब्जी मंडी में एंबुलेंसों से प्याज की डिलीवरी का वीडियो वायरल, व्यवस्था पर उठे सवाल

मुरैना। अजय भारत न्यूज

पोरसा की ग़ल्ला मंडी मे थोक सब्जी मंडी में दो एंबुलेंस से प्याज की डिलीवरी किए जाने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मंडी में एंबुलेंस के इस्तेमाल को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं।

वायरल वीडियो में एंबुलेंस के जरिए प्याज की बोरियां मंडी परिसर में पहुंचती हुई दिखाई दे रही हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस एंबुलेंसो का इस्तेमाल मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए होना चाहिए, उसका उपयोग सब्जी की डिलीवरी के लिए कैसे किया जा रहा है? यदि वीडियो सही है तो यह एंबुलेंस के उपयोग और संबंधित नियमों को लेकर गंभीर मामला हो सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और एंबुलेंस का इस्तेमाल प्याज की ढुलाई के लिए किसकी अनुमति से किया गया था।

क्रांति दिवस पर शहर कांग्रेस सेवादल मुरैना ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

वार्ड क्रमांक 26 से शुरू हुई तिरंगा यात्रा, राष्ट्रगान के साथ हुआ ध्वज वंदन

मुरैना। अजय भारत न्यूज

9अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस सेवादल, मुरैना के नेतृत्व में नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 26, गोटे नगर धर्मशाला से ध्वज वंदन एवं भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रप्रेम एवं देश की एकता-अखंडता का संदेश दिया। यह कार्यक्रम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी., प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा के निर्देशानुसार एवं प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के आदेशानुसार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रदीप रजक ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोटे नगर धर्मशाला में ध्वज वंदन के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामवीर फौजी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा उपस्थित सभी लोगों के साथ राष्ट्रगान गाया गया। इसके पश्चात वार्ड क्रमांक 26 से तिरंगा यात्रा प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए क्षेत्र में निकाली गई। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रदीप रजक ने उपस्थित लोगों को 9 अगस्त के अगस्त क्रांति दिवस के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ 'भारत छोड़ो आंदोलन' का शंखनाद हुआ था। यह आंदोलन देश की स्वतंत्रता के लिए निर्णायक जनआंदोलनों में से एक बना और लाखों देशवासियों ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया। तिरंगा यात्रा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विनोद शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेश राजेश कथूरिया, राजकुमार पाठक, राजेश राठौड़ जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस प्रमोद शर्मा हुसैनपुर बृज किशोर सकवार जिला अध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस सेवा दल, देवेश शर्मा जिला अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड महेश मवई पूर्व जिला पंचायत सदस्य रईस खान, सरफुद्दीन शाह वकील बद्री प्रसाद जाटव राकेश सिकरवार फौजी डॉ केके श्रीवास्तव पवन जोशी मनीष पीपल हरिराम पचोरिया बालवीर दोनोरिया पार्षद बुधीराम बाथम शैलेंद्र खरे गौरव चौधरी सत्येंद्र सकवार मनोज कुमार दिनेश सिंह इंदल सैनी हरेंद्र राजोरिया राहुल लोखड़े अरविंद राजोरिया राजकुमार पीपल देव राजोरिया विजय जाटव अमन लोहिया सम्मिलित हुए । कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए शहर जिला कांग्रेस सेवादल मुरैना ने स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

साईं बाबा मंदिर पर किया प्रसाद वितरण

अजय भारत न्यूज

मुरैना,(कासं) । लायंस क्लब अनुभूति द्वारा प्रांतीय सेवा कार्य प्रसादम के अंतर्गत अनुभूति परमानेंट प्रोजेक्ट साईं बाबा मंदिर पर किया गया द्य जिसमें 250 लोगों ने प्रसादी ग्रहण की द्य यह कार्यक्रम अनुभूति सचिव लायन मनु शर्मा ने अपने जन्म दिवस के उपलक्ष्य में किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रीज़न चेयरपर्सन पीएमजेएफ लायन सलिल गुप्ता रहे तथा अनुभूति अध्यक्ष लायन अंजू गर्ग, लायन नीलम गुप्ता, लायन गीता भटनागर, रश्मि शर्मा, राधे कृष्ण त्यागी, आराध्या, सचिव मंजू पाल सहित कई सदस्य मौजूद थे ।

15 साल से पक्की सड़क का इंतजार, हर बार आश्वासन की गिट्टी भी नहीं पहुंची

पोरसा,(कासं) । शहर में विकास के दावों के बीच इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने स्थित दुर्गा कॉलोनी के रहवासी पिछले करीब 15 वर्षों से पक्की सड़क का इंतजार कर रहे हैं। वर्षों के दौरान कई सरपंच और जनप्रतिनिधि बदले, लेकिन अटेर रोड़ मुख्य सड़क से कॉलोनी तक पहुंचने वाला रास्ता आज भी पक्का नहीं हो सका। रहवासियों के मुताबिक कॉलोनी तक पहुंचने वाला कच्चा रास्ता बारिश के दिनों में परेशानी का कारण बन जाता है।

कुंतलपुर के टेकरी महादेव मंदिर में स्थापित है प्राचीन शिवलिंग, द्वापर युग से जुड़ी है मान्यता

श्रावण मास में गंगाजल और दूध चढ़ाने से कर्ज से मुक्ति, व्यापार में सफलता, दांपत्य सुख, झूठे मुकदमों से राहत और शत्रुओं पर विजय की मान्यता

मुरैना। अजय भारत न्यूज

मुरैना से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर सुगम रास्ते से पहुंचने वाले कुंतलपुर स्थित टेकरी महादेव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। यहां स्थापित प्राचीन शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि इसकी स्थापना द्वापर युग में महर्षि दुर्वासा ने की थी। मंदिर से जुड़ी धार्मिक कथाओं के अनुसार, माता कुंती ने शिवभक्ति में लीन महर्षि दुर्वासा की सेवा की थी।

कहा जाता है कि कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि दुर्वासा ने उन्हें ऐसा मंत्र प्रदान किया था, जिसके माध्यम से वे किसी भी देवता का आवाहन कर सकती थीं। कुंती ने मंत्र की परीक्षा लेने के लिए सूर्यदेव का आवाहन किया। सूर्यदेव के प्रकट होने पर उन्हें पुत्र प्राप्ति का वरदान मिला, जिसके फलस्वरूप कर्ण का जन्म हुआ। उस समय कुंती अविवाहित थीं, इसलिए सामाजिक परिस्थितियों के चलते उन्होंने नवजात कर्ण को एक संदूक में रखकर नदी में प्रवाहित कर दिया था।

श्रावण में उमड़ती है श्रद्धालुओं की आस्था

टेकरी महादेव मंदिर में स्थापित शिवलिंग को लेकर श्रद्धालुओं में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। भक्तों का विश्वास है कि सोमवार को गंगाजल अर्पित करने, विशेषकर श्रावण मास में पूरे महीने अथवा किसी एक सोमवार को गंगाजल और दूध से अभिषेक करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

श्रद्धालुओं की मान्यता है कि सच्चे मन से भगवान टेकरी महादेव की पूजा-अर्चना करने से कर्ज से मुक्ति, व्यापार में सफलता, दांपत्य जीवन में सुख-शांति, झूठे मुकदमों से राहत और शत्रुओं पर विजय की मनोकामना पूरी होती है। इसी आस्था के चलते श्रावण मास में यहां दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

पहाड़ी की ऊंचाई से दिखता है मनमोहक प्राकृतिक नजारा

पहाड़ी पर स्थित टेकरी महादेव मंदिर की ऊंचाई से आसपास का प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है। मंदिर से चारों ओर नजर डालने पर हरियाली और दूर तक फैले मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। वहीं पहाड़ी के नीचे बहती आसन नदी की कल-कल करती जलधारा वातावरण की सुंदरता को और बढ़ा देती है।

धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का यह अनूठा संगम टेकरी महादेव मंदिर को खास बनाता है। यहां आने वाले श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और अभिषेक के साथ पहाड़ी से दिखाई देने वाले मनोरम दृश्यों का भी आनंद लेते हैं। श्रावण मास में मंदिर का वातावरण विशेष रूप से भक्तिमय हो जाता है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड, सागरताल, ग्वालियर (म.प्र.)

ph.No.-0751-2452685, E-Mail-emphedgwa@mp.nic.in, mp.eephedmgwa@gmail.com

क्रमांक/1001/तक/का.यं./लो.स्वा.यां.वि/मैकेनिकल/खण्ड/2026-27 ग्वालियर, दिनांक 07.08.2026

।। ई-निविदा आमंत्रण सूचना ।।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मैकेनिकल खंड ग्वालियर के अधीनस्थ उपखण्डों में निम्नलिखित कार्य करने हेतु पंजीकृत फर्मो से ऑनलाईन डिजिटली हस्ताक्षारित निविदा अनुभवी ठेकेदार से प्रतिशत दर पर प्रपत्र..... 2.10'' पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूमि राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन अपलोड करना होगा।

विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी वेबसाईट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्य का नाम- **Installation of Handpump and Construction of Platform, Drain, Sonakage pit and Washing platform work for villages in Different Distt, As Below Here:-**

क्रं.	जिला	ई–निविदा आई.डी. कमांक	निविदा कमांक/ दिनांक	हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफॉर्म निर्माण संख्या	अनुमानित लागत (रूपये में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण अवधि
1	ग्वालियर एवं भिण्ड	2026_PHED _527878_1	30/2026-27 07.08.2026	50 नग	588700/-	11774/-	2000/-	01 वर्ष

ई-निविदाएं ऑनलाइन खरीदने की अंतिम तिथिः- 22.08.2026 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा में बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः- 22.08.2026 समय 18:00 बजे तक
ई-निविदा खोलने की तिथि व समयः- 24.08.2026 समय 13:00 बजे के पश्चात

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
मैकेनिकल खण्ड ग्वालियर

जी-16944/26

'सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930'

एक जैसी जैकेट, गले मिले... केंद्रीय मंत्री का हाथ पकड़कर कमरे में ले गए सीएम डॉ. मोहन यादव

प्रदेश को मिली चार सौगातें

- सीएम आवास में केंद्रीय मंत्री से मिले डॉ मोहन यादव
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के दिखा गजब तालमेल
- भोपाल समेत कई शहरों में मिली फ्लाइट सुविधा

भोपाल। अजयभारत न्यूज

रविवार को दिन मध्य प्रदेश के लिए खास दिन रहा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राजा भोज एयरपोर्ट से भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता की सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला।

सीएम मोहन यादव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू एक जैसी जैकेट पहने दिखाई दिए। सीएम ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेता एक दूसरे के गले मिले। इसके बाद सीएम राम मोहन नायडू का हाथ पकड़कर अंदर तक ले गए और अधिकारियों से मुलाकात कराई। इस दौरान दोनों नेता ने अकेले में बातचीत भी की।

सीएम आवास पहुंचे थे केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू कार्यक्रम में शिरकत करने से पहले सीएम मोहन यादव से मुलाकात करने के लिए सीएम आवास पहुंचे थे। इस दौरान सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे। सीएम आवास में डॉ मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

भोपाल-रीवा हवाई कनेक्टिविटी का लंबे समय से हो रहा इंतजार अब खत्म हो गया है। अब रीवा से भोपाल के लिए नियमित उड़ान होगी। शुरुआती जानकारी के अनुसार रीवा से भोपाल का एयर किराया अभी 2700 रुपये तय किया गया है। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा यह विंध्य के लिए बड़ी सौगात है।

सीएम आवास में केंद्रीय मंत्री ने किया स्वागत

रीवा भोपाल की सीधी फ्लाइट के अलावा अब रीवा एयरपोर्ट से कोलकाता के लिए सीधी फ्लाइट मिलेगी। इसके अलावा भोपाल से पटना जाने वाले यात्रियों को भी बड़ी सौगात मिली है। इसके साथ ही जबलपुर-कोलकाता के लिए सीधी फ्लाइट की शुरुआत की गई है।

रबी सीजन से खेती के लिए दिन में 10 घंटे मिलेगी बिजली

सीएम बोले- लाडली बहनाओं को राशि जल्द मिलेगी

भोपाल। अजयभारत न्यूज

मध्यप्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती की आय बढ़ाने के साथ किसानों के लिए सहायक आय के स्रोत तैयार करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि अगले सीजन से किसानों को खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री रविवार को राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के तहत 16 विभागों के समन्वय से किसानों के लिए अलग-अलग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

कवच योजना से दोबारा ऋण का रास्ता खुला

मुख्यमंत्री ने कहा कि कवच योजना से किसानों को दोबारा बैंक और फसल ऋण लेने में मदद मिलेगी। इससे उनकी बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने की राह आसान होगी। उन्होंने अधिकारियों से किसान कल्याण की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 80 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसमें करीब 10 हजार शिक्षक पद भी शामिल हैं। पुलिस भर्ती बड़े स्तर पर की गई है और सभी जिलों में पुलिस बैंड की व्यवस्था की जा रही है।

सांची ब्रांड का दूध उत्पादन बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सांची ब्रांड के आधार पर दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन को जोड़कर किसान परिवारों की आय बढ़ाना चाहती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया गया है। गेहूं उत्पादक किसानों से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं एमएसपी पर खरीदा गया है। सोयाबीन किसानों को भावांतर योजना और किसानों को सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है।

मुरैना की बेटी लता गुप्ता का आनंद धाम में हुआ भव्य अभिनंदन, वरिष्ठजनों से लिया आशीर्वाद

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष बनने पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने किया सम्मान

मुरैना। अजयभारत न्यूज

दिल्ली सरकार में महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने के बाद मुरैना की बेटी श्रीमती लता गुप्ता का आज आनंद धाम परिसर , मुरैना में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजजनों द्वारा आत्मीय एवं भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सेवा भारती नगर एवं जिला इकाई, रोटरी क्लब मुरैना, भारत विकास परिषद सहित माहेश्वरी समाज एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया।

यहां कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने कहा कि श्रीमती लता गुप्ता की यह उपलब्धि केवल मुरैना के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे चंबल अंचल के लिए गौरव का विषय है। मुरैना की बेटी का दिल्ली सरकार में महत्वपूर्ण पद पर पहुंचना क्षेत्र की प्रतिभा और क्षमता का सम्मान है। सभी ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने पद की गरिमा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण एवं समाजहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करेंगी।

इस अवसर पर सेवा भारती के जिला अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी बहन श्रीमती लता गुप्ता को मिली यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है। आनंद धाम में निवासरत सभी वरिष्ठजनों एवं माताओं का आशीर्वाद उन्हें सदैव मिलता रहे और वे पूरी समर्थता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें।

अभिनंदन के दौरान श्रीमती लता गुप्ता ने आनंद धाम में निवासरत वरिष्ठजनों एवं माताओं से मुलाकात कर उनके चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। वरिष्ठजनों ने उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामना की इस दौरान श्रीमती लता गुप्ता ने आनंद धाम के पीछे वाले हिस्से में निवासरत नेत्रहीन बच्चों से भी मुलाकात की तथा उन्हें सामग्री एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। बच्चों के प्रति उनका स्नेह और आत्मीयता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा।

अच्छे और सार्थक कार्य करने का प्रयास रहेगा

अपने उद्बोधन में श्रीमती लता गुप्ता ने कहा कि आज उन्हें जो भी उपलब्धि प्राप्त हुई है, उसमें मुरैना और यहां के लोगों का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि वे सभी की शुभकामनाओं और आशीर्वाद के साथ अपने पद पर रहकर अच्छे और सार्थक कार्य करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने उपस्थित वरिष्ठजनों, स्नेहीजनों एवं परिवारजनों से निरंतर आशीर्वाद और सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।कार्यक्रम के अंत में सभी संस्थाओं एवं समाजजनों ने श्रीमती लता गुप्ता को पुनः शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व एवं संवेदनशील प्रयासों से महिला सशक्तिकरण और समाजसेवा के क्षेत्र में नई दिशा स्थापित होगी।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर रोटरी क्लब मुरैना के अध्यक्ष तरुण शर्मा, प्रकाश अग्रवाल, गौरव मोदी, चंचल मंगल, सेवा भारती से प्रमोद कुलश्रेष्ठ, एडवोकेट जोगेंद्र सैया, डॉ. योगेंद्र मावई, महेंद्र अग्रवाल, भारत विकास परिषद से श्रीमती अर्चना शर्मा, पवन शर्मा, रजनी गुप्ता, माहेश्वरी समाज से अजय माहेश्वरी, मोहित माहेश्वरी, श्रीमती पुष्पा राठी, श्रीमती सुरुचि माहेश्वरी सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निगम अध्यक्ष तोमर ने किया वार्ड 55 में निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने रविवार को वार्ड 55 के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, सहायक यंत्री स्मार्ट सिटी अनिल चौहान एवं वेद प्रकाश निरंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर में वार्ड 55 अवाडपुरा पानी की टंकी के पास स्थित पार्क की बाउंड्री वॉल बनाने एवं उसमें गेट लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पानी की टंकी के पास ही निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र में पानी भरने की समस्या को लेकर मिट्टी डालकर भूमि का समतलीकरण करने के निर्देश दिए।

एक रोटी गौ माता के नाम

गौ माता की रक्षा का संकल्प लेकर निकली गौ भक्तों की टीम

ग्वालियर। अजयभारत न्यूज

श्री दंदरौआ धाम हनुमान मंदिर, भिंड में विराजित डॉ. हनुमान जी के आशीर्वाद एवं श्री दंदरौआ धाम के पूर्व महंत बाबा के प्रपौत्र आचार्य श्री हरिओम थापक के मार्गदर्शन में आज रविवार को गौ सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुरावली हनुमान मंदिर से किया गया। इस अवसर पर गौ सेवा संकल्प में सहभागी गौ भक्तों की टीम ने गौ माता की सेवा, सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लेते हुए अभियान की शुरुआत की।

अभियान के प्रथम चरण में 150 गौमाता जो कि डीवी सिटी रोड पर बैठी निराश्रित गौ माता की सेवा की गई। गौ भक्तों द्वारा गौ माता को रोटी खिलाई गई तथा रात्रि के समय सड़क पर बैठे रहने वाली गौ माता को दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उनके गले में रेडियम की पट्टियां लगाई गईं। रेडियम पट्टियों के माध्यम से वाहन चालकों को अंधेरे में सड़क पर मौजूद गौ माता दूर से दिखाई दे सकेंगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में सहायता मिलेगी।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ग्वालियर प्रवास पर

ग्वालियर। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ग्वालियर जिले के प्रवास पर हैं। ग्वालियर प्रवास के दौरान आयोग की अध्यक्ष 10 अगस्त को अपरान्ह 3 बजे अधिकारियों की बैठक लेकर बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण गतिविधियों की समीक्षा करेंगी। यह बैठक कलेक्ट्रेट के सभागार में होगी।बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ग्वालियर में स्कूलों, छात्रावासों एवं महिला बाल विकास विभाग की बाल देख-रेख संस्थाओं का निरीक्षण भी करेंगीं।

खास खबर विद्यार्थियों के जीवन में बॉन्डिंग का महत्व

जहाँ संबंधों में विश्वास होता है, वहाँ सीखने की प्रक्रिया केवल शिक्षा नहीं, एक सुंदर अनुभव बन जाती है

डॉ. बनिता झा, हेड मिस्ट्रेस

भोपाल। विद्यालय केवल ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं है; यह वह संसार है जहाँ बच्चे अपने व्यक्तित्व, भावनाओं और संबंधों को आकार देते हैं। विद्यार्थी के सफल और संतुलित विकास में बॉन्डिंग अर्थात् आपसी जुड़ाव और विश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक और विद्यार्थी, विद्यार्थी और विद्यार्थी तथा विद्यालय और परिवार के बीच मजबूत संबंध शिक्षा को अधिक प्रभावी और सार्थक बनाते हैं।

सबसे पहले, मजबूत बॉन्डिंग विद्यार्थियों में सुरक्षा और अपनत्व की भावना पैदा करती है। जब विद्यार्थी यह महसूस करता है कि शिक्षक उसे समझते हैं, उसकी बात सुनते हैं और उसकी भावनाओं का सम्मान करते हैं, तो वह बिना भय के अपने विचार व्यक्त करता है। ऐसा वातावरण उसके आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

दूसरे, बॉन्डिंग सीखने की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है। जिस शिक्षक के साथ विद्यार्थी का भावनात्मक जुड़ाव होता है, उसके विषय और मार्गदर्शन के प्रति विद्यार्थी अधिक रुचि दिखाता है। शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं रहता, बल्कि वह विद्यार्थी के लिए मार्गदर्शक, प्रेरक और विश्वासपात्र बन जाता है।

तीसरा, विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संबंध उन्हें सहयोग, सहानुभूति और सम्मान सिखाते हैं। मित्रता और टीमवर्क के माध्यम से बच्चे यह समझते हैं कि सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में भी है। इससे प्रतिस्पर्धा स्वस्थ बनती है और विद्यालय का वातावरण अधिक सकारात्मक होता है।

बॉन्डिंग विद्यार्थियों के भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। किशोरावस्था में विद्यार्थी अनेक बदलावों और चुनौतियों से गुजरते हैं। ऐसे समय में यदि उन्हें सुनने वाला, समझने वाला और प्रोत्साहित करने वाला शिक्षक या मित्र मिल जाए, तो वे कठिन परिस्थितियों का सामना अधिक आत्मविश्वास से कर सकते हैं।

शिक्षक की भूमिका

एक शिक्षक का छोटा-सा प्रोत्साहन विद्यार्थी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। विद्यार्थी की उपलब्धि की सराहना करना, उसकी कठिनाई को समझना, उसकी बात ध्यान से सुनना और उसकी क्षमता पर विश्वास करना—ये सभी छोटे कदम मजबूत बॉन्डिंग का आधार बनते हैं।विद्यालय में मेंटोरिंग, समूह गतिविधियाँ, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामूहिक परियोजनाएँ, संवाद सत्र और ब्क्ष्स्त्र4 स्4ह्यह्लद्दद्ब जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बीच जुड़ाव को मजबूत कर सकती हैं।

बॉन्डिंग से बनता है बेहतर विद्यालय

जहाँ विद्यार्थी शिक्षक से जुड़ा हो, शिक्षक विद्यार्थी की क्षमता को समझता हो और विद्यार्थी अपने साथियों का सम्मान करता हो, वहाँ विद्यालय केवल learning space नहीं रहता, बल्कि belonging space बन जाता है। अंततः, शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि अच्छे इंसान, जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील व्यक्तित्व का निर्माण करना है।

स्वामित्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अजय दीक्षित द्वारा अजय भारत प्रिंटिंग प्रेस, प्रेस काम्पलेक्स, ग्वालियर रोड मुरैना से मुद्रित एवं वीरेन्द्र वाटिका, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, लहार रोड भिण्ड म.प्र. से प्रकाशित।
R.N.I. पंजीयन क्रमांक MPHIN/2014/58809, प्रधान संपादक अजय दीक्षित मो. 94251-26037, प्रबंध संपादक अरूण कुमार दीक्षित मो.-94251-26036 कार्या. फोन/फैक्स: 07534-230308 email-ajaybharatmorena@gmail.com